हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, मंगलवार 10 मार्च 2026

अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग ने हिला दी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार की नींव

कच्चे तेल में 'आग' से बाजार में त्राहिमाम निवेशकों के डूब गए 22.40 लाख करोड़!

एजेंसी : शिकागो/नई दिल्ली

ईरान युद्ध के तेज होने से पश्चिम एशिया में उत्पादन और पोत परिवहन पर मंडराते खतरे के बीच सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं। हालांकि, बाद में कीमतों में कुछ नरमी देखी गई, लेकिन इस उथल-पुथल से दुनिया भर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत सुबह उछलकर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, लेकिन बाद में यह 14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही थी। इसी तरह, अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) 119.48 डॉलर तक पहुंचने के बाद घटकर 103 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। जमीनी हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। बहरीन ने ईरान पर पीने के पानी की आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण ▶▶|शेष पेज 6 पर

कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं

मध्य-पूर्व में भड़के युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार की नींव हिला दी है। सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं। इधर, बढ़ते तनाव के कारण भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। संकट की शुरुआत के बाद से बीएसई सेंसेक्स 4.6 प्रतिशत टूटकर 77,566.16 अंक पर आ गया है। इस अवधि में निवेशकों की कुल संपत्ति में लगभग 22.40 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है।

बाजार गिरावट की प्रमुख वजह

- ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर
- कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी
- अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर

सेंसेक्स 1,353 अंक फिसला, निफ्टी 422 अंक लुढ़का

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,353 अंक का गोता लगा गया। एनएसई निफ्टी 422 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई और यह 1,352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,566.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 2,494.35 अंक यानी 3.16 प्रतिशत का गोता लगाकर 76,424.55 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 422.40 अंक टूटकर 24,028.05 अंक पर बंद हुआ।

सीतारमण बोलीं

महंगाई पर नहीं पड़ेगा असर

इधर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का महंगाई पर खास असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि देश में मुद्रास्फीति पहले से ही अपने निचले स्तर के करीब है। सीतारमण ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा कि वैश्विक कच्चे तेल और भारतीय बास्केट की जानकारी दी।

नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल डीजल के दाम

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की जाएगी। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही। अधिकारियों ने कहा कि सरकार वैश्विक तेल बाजारों पर नजर रख रही है, लेकिन खुदरा ईंधन की कीमतों में तत्काल वृद्धि की कोई योजना नहीं है। तेल विपणन कंपनियां फिलहाल मौजूदा लागत दबाव को वहन करेंगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है।

एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर ज्यादा असर

इस संकट का असर एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर सबसे ज्यादा दिख रहा है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने तेल की जमाखोरी के खिलाफ सख्त चेतावनी दी है। शेयर बाजारों में भी भारी गिरावट रही, जापान का निक्की सात प्रतिशत से अधिक गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी छह प्रतिशत टूटकर 5,251.87 अंक पर आ गया।

अमेरिका में भी महंगाई का दबाव

ऊर्जा लागत बढ़ने से अमेरिका में भी महंगाई का दबाव बढ़ा है, जहां पेट्रोल की औसत कीमत 3.48 डॉलर और डीजल 4.66 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गया है। प्राकृतिक गैस की कीमतें भी बढ़कर 3.34 डॉलर प्रति 1,000 घन फुट हो गई हैं। तेल की कीमतों में ऐसा उछाल आखिरी बार 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी देखा गया था।

इसलिए गहरा रहा संकट

स्वतंत्र शोध कंपनी रिस्टैग एनर्जी के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते रोजाना लगभग 1.5 करोड़ बैरल कच्चा तेल भेजा जाता है, जो वैश्विक आपूर्ति का 20 प्रतिशत है। ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण टैंकर की आवाजाही लगभग ठप है। ईरान प्रतिदिन लगभग 1.6 करोड़ बैरल तेल निर्यात करता है।

जंग का दसवां दिन

ईरान के नए सुप्रीमो मोजतबा पुतिन बोले- हमारा पूरा सपोर्ट

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग का सोमवार को दसवां दिन है। ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को सोमवार को देश का अगला शासक नामित किया गया।

एजेंसी ▶▶| दुबई/तेहरान

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया नेता चुने जाने पर बधाई दी है और कहा है कि उन्हें भरोसा है कि वे अपने पिता के काम को सम्मान के साथ जारी रखेंगे। मोजतबा खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता रहे अली खामेनेई के बेटे हैं। देश की 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने उनका चुनाव किया है। मोजतबा (56) के देश के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड से करीबी संबंध हैं। रिवॉल्यूशनरी गार्ड युद्ध की शुरुआत के दौरान 28 फरवरी को अयातुल्ला अली खामनेई (86) की मौत के बाद से इजरायल और खाड़ी के अरब देशों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले कर रहा है। मोजतबा को उनके पिता से भी ज्यादा कट्टर ▶▶|शेष पेज 6 पर

इजरायल बोले- निशाने पर मोजतबा

इजरायल पहले ही कह चुका है कि मोजतबा उनके निशाने पर हैं जबकि ट्रंप ने उन्हें 'अस्वीकार्य' बताया है। ट्रंप ने कहा, हम ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो ईरान में सामंजस्य और शांति कायम करे। रिवॉल्यूशनरी गार्ड और ईरान समर्थित लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला ने मोजतबा के समर्थन में बयान जारी किए। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी ने ईरानी सरकारी टीवी चैनल से बातचीत के दौरान तेहरान में हवाई हमलों के बावजूद सभा आयोजित करने के लिए 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' के 'साहस' की सराहना की।

ईरान पर भड़का तुर्की जंग का ऐलान

ईरान-इजरायल युद्ध में अब तुर्की ने सक्रिय रूप से ईरान के खिलाफ जंग में उतरने का ऐलान कर दिया है। दरअसल, तुर्की की ओर से यह ऐलान ईरान की ओर से दागे गए एक बैलिस्टिक मिसाइल को भूमध्यसागर में मार गिराने के बाद किया गया है।

मां की आंखों के सामने बुझ गई मासूम जिंदगियां

भाई को बचाने तालाब में कूदी बहन, दोनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कलिया के बनखेता से रविवार को एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां स्थित पेडार तालाब में नहाने के दौरान भाई-बहन की डूबने से मौत हो गई। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बनखेता निवासी जितेंद्र दास के 8 वर्षीय पुत्र और 11 वर्षीय पुत्री की तालाब में डूबने से मौत हो ▶▶|शेष पेज 6 पर

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नारायणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

पूरे गांव में शोक

एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की एक साथ मौत से बनखेता गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां की आंखों के सामने दोनों बच्चों की जान चली जाने से पूरे गांव में मातम का माहौल है।

मेघालय बॉर्डर से भारत में हुए दाखिल

बांग्लादेश का हादी हत्याकांड 2 आरोपी बंगाल में गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने भारत और शेख हसीना विरोधी बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुस आए थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें। लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने 7 और 8 मार्च की दरमियानी रात को छापेमारी कर दोनों को पकड़ लिया। राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर हुसैन ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

लखमा बोले- जिन किसानों का धान नहीं खरीदा गया, कौन पटाएगा उनका कर्ज?

सरकार धान खरीदी के नाम पर केवल दिखावा कर रही- कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभा में बजट सत्र के दौरान धान खरीदी को लेकर कांग्रेस ने मंत्री दयालदास बघेल को घेरा। विपक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा, सरकार धान खरीदी के नाम पर केवल दिखावा कर रही है। कवासी लखमा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के 32 हजार से अधिक किसानों का धान नहीं खरीदे जाने पर कहा, जिन किसानों का धान नहीं खरीदा गया है, उनका कर्जा कौन पटाएगा? मंत्री से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया।

विधायक लखेश्वर बघेल और कवासी लखमा ने प्रश्नकाल में वर्ष 2025-26 में हुई धान खरीदी और उसके उठाव का मुद्दा उठाते हुए कहा, धान खरीदी के संबंध में जो जानकारी दी गई है, उसमें धान खरीदी कब शुरू हुई और किस्त का भी उल्लेख करेंगे? इस पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि बस्तर संभाग में कुल 46846.86, बीजापुर में 21888.59, दंतेवाड़ा में 9757, कांकेर में 147528.3, कोंडागांव में 58911.78, नारायणपुर में 17383.06 और सुकमा में 16608.14 मीट्रिक टन धान का कुल उठाव किया गया है। विधायक लखेश्वर ने कहा, किसान लगातार एसडीएम कार्यालय और हर जगह चक्कर काट रहा है। सबसे बड़ा घोटाला धान खरीदी में हो रहा है, कोई पानी डाल रहा है, तो कोई ईंट खरीद रहा है। इसे गंभीरता से लेना जरूरी है। कितने किसानों को वनाधिकार संख्या जारी है, और कितने ऋणधारी हैं? इस पर मंत्री ने बताया कि जितना धान अभी बिका है, वह किसी भी वर्ष नहीं बिका है।

जो किसान धान लेकर पहुंचे उनसे खरीदी- दयालदास

पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने पूछा कि बस्तर संभाग के आदिवासी 32200 से ज्यादा किसानों से धान खरीदी क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि किसानों का धान खरीदा जाएगा या किसानों का कर्जा चुकाया जाएगा। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, जो किसानों धान खरीदी केंद्र तक धान लेकर पहुंचे थे, उनका धान हमने खरीदा है, जो नहीं पहुंचे उनका धान नहीं खरीदा गया।

कर्जा लेने वाले किसानों का क्या होगा- लखमा

लखमा ने कहा, किसानों का पंजीयन हुआ, टोकन कटा, लेकिन उसके बाद भी किसान से धान नहीं खरीदा गया। बस्तर के किसानों को धान का 206 करोड़ रुपया मिलना था, उन किसानों का अब क्या होगा? किसानों ने कर्जा लिया है, उसको कौन पटाएगा। खाद्य मंत्री ने कहा, जो भी किसान ऋण लेता है, उसका धान खरीदा जाता है पर धान खरीदा उनका जाता है, जो खरीदी केंद्र तक आते हैं।

कांग्रेस सरकार में भी ऋणी किसानों का धान नहीं खरीदा गया

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने पूछा कि बस्तर के कितने किसान हैं, जिनका दूसरा टोकन कटा है, लेकिन धान नहीं बेच सके? ऐसे कितने ऋणी किसान हैं, जिनका टोकन कटा फिर भी धान नहीं बेच सके? जो किसान ऋणी हैं, उनका धान खरीदेंगे क्या या उनका कर्जा माफ करेंगे? सवाल के जवाब में मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, कांग्रेस सरकार में भी ऋणी किसानों का धान नहीं खरीदा गया था।

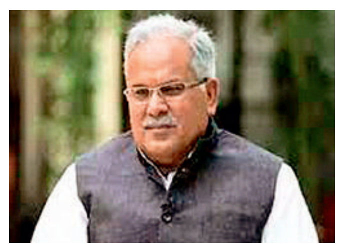

छत्तीसगढ़ ने केंद्र से मांगी 15वें वित्त आयोग के तहत नॉन-मिलियन प्लस शहरों के लिए ग्रांट की राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने केंद्र सरकार के हाउसिंग और शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर 15वें फाइनेंस कमीशन के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए नॉन-मिलियन प्लस शहरों के लिए टाइड और अनटाइड ग्रांट जारी करने का आग्रह किया है।

खास बात ये है कि इसी पत्र में बताया गया है कि कई निकायों को सिटीफाइनेंस पोर्टल पर प्रॉपर्टी टैक्स फॉर्म में जानकारी डालते समय तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, यह भी कहा गया है कि 17 नई बनी अर्बन लोकल बॉडीज़ (स्थानीय निकाय) को छूट दी जाए और ग्रांट का एलोकेशन उसी हिसाब से प्रोसेस किया जाए।

ये है मामला

केंद्र सरकार के हाउसिंग और शहरी मामलों के मंत्रालय ने 15वें फाइनेंस कमीशन के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए नॉन-मिलियन प्लस शहरों के लिए टाइड और अनटाइड ग्रांट जारी करने के संबंध में सभी राज्यों से 15वें फाइनेंस कमीशन के तहत 10 मार्च 2026 तक प्रपोज़ल जमा करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में राज्य सरकार ने केंद्रीय मंत्रालय को सूचित किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य की शहरी लोकल बॉडीज़ ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए नॉन-मिलियन प्लस शहरों के लिए टाइड और अनटाइड ग्रांट जारी करने के लिए ज़रूरी कम्प्लायंसेस पूरी कर ली हैं। इसका ब्योरा भी पत्र के साथ भेजा गया है। पत्र में यह भी बताया गया है कि कुछ अर्बन लोकल बॉडीज़, जैसे नगर पंचायत माना कैंप, नगर पंचायत रोहासी, और नगर पंचायत कोपरा, को सिटीफाइनेंस पोर्टल पर प्रॉपर्टी टैक्स फॉर्म में जानकारी डालते समय टेक्निकल दिक्कतें आ रही हैं। इन अर्बन लोकल बॉडीज़ की बार-बार कोशिशों के बाद भी, टेक्निकल दिक्कतें हल नहीं हो पाईं। इसलिए, संबंधित प्रॉपर्टी टैक्स फॉर्म ऑफलाइन जमा किए जा रहे हैं।

17 निकायों के लिए मांगी ये छूट

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने केंद्र को भेजे गए पत्र में राज्य के 17 नए नगरीय निकायों के लिए छूट मांगी है। इस संबंध में कहा गया है कि राज्य में 17 अर्बन लोकल बॉडीज़ नई बनी हैं। इन अर्बन लोकल बॉडीज़ में पहले चुनाव और पहली काउंसिल मीटिंग जनवरी 2025 से 31मार्च 2025 के बीच पूरी हुईं। इन नई बनी अर्बन लोकल बॉडीज़ में सीमित इंस्टीट्यूशनल और फाइनेंशियल रिसोर्स होने की वजह से, प्रॉपर्टी टैक्स का कलेक्शन फाइनेंशियल ईयर 2025-26 से ही शुरू हुआ है, और इसलिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन ज़ीरो है। इसे देखते हुए, यह आग्रह किया गया है कि प्रॉपर्टी टैक्स कंप्लायंस कंडीशन को ध्यान में रखते हुए, 17 नई बनी अर्बन लोकल बॉडीज़ को छूट दी जाए, और ग्रांट का एलोकेशन उसी हिसाब से प्रोसेस किया जाए।

प्रदेश में नए साल में वाहन बिक्री की रफ्तार टॉप गियर में

- फरवरी में बिके बीते साल से दस फीसदी ज्यादा वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नए साल का आगाज होने के बाद नए साल में जनवरी के बाद अब फरवरी में भी प्रदेशभर में बीते साल से ज्यादा वाहन बिके हैं। इस बार ऑटोमोबाइल सेक्टर में यह खास बात है कि इस बार एसयूवी कारों के ज्यादातर मॉडल ऑन डिमांड मिलने लगे हैं। ऐसे में ग्राहकों को अब किसी भी मॉडल के लिए ज्यादा इंतजार करना नहीं पड़ता। कारों की सप्लाई ज्यादा होने के कारण सभी डीलरों के पास भरपूर स्टॉक भी है। ऐसे में कारों की बिक्री भी ज्यादा हो रही है।

दो साल पहले एसयूवी कारों के ज्यादातर टॉप मॉडल ऑन डिमांड मिल ही नहीं रहे थे। कई मॉडलों में छह-छह माह तक की वेटिंग थी, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। दरअसल सेमीकंडक्टर की कमी के कारण कारों की सप्लाई प्रभावित हो रही थी, लेकिन अब तो अपने ही देश में सेमीकंडक्टर बनने के कारण कारों का बहुत ज्यादा उत्पादन होने से कारों की कमी नहीं रह गई है। पहले डीलरों के पास 15 दिनों का भी स्टॉक नहीं होता था, अब तो दो माह से ज्यादा का स्टॉक रहता है।

जनवरी-फरवरी में रिकॉर्ड बिक्री

बीते साल प्रदेश में ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी संख्या में वाहन बिके। त्योहारी सीजन बहुत अच्छा गया। इसके बाद अब नए साल का पहला माह भी बहुत अच्छा गया है। इस माह तो प्रदेश में ऑटो एक्सपो के कारण भी ज्यादा वाहन बिके हैं। जनवरी में कुल मिलाकर 71713 वाहन बिके हैं। यह बीते साल से करीब सात फीसदी ज्यादा है। इस बार 51293 दुपहिया वाहन बिके हैं। बीते साल ये 47274 बिके थे। इसी तरह से 10821 निजी वाहन जिनमें कारें ज्यादा हैं बिके हैं। बीते साल ये 10307 बिके थे। व्यावसायिक वाहन इस बार 3765 बिके हैं जबकि बीते साल ये 3512 बिके थे। अब फरवरी की बात करें तो फरवरी में भी बीते साल से ज्यादा वाहन बिके हैं।बीते साल फरवरी में 57244 वाहन बिके थे, इस साल इनकी संख्या 63048 है। यह करीब सवा दस फीसदी ज्यादा है। इस बार फरवरी में 44850 दुपहिया बिके हैं यह बीते साल से दस फीसदी ज्यादा है। जहां तक कारों का सवाल है तो 9712 चारपहिया वाहन बिके हैं। यह बीते साल से सात फीसदी ज्यादा हैं। तिपहिया वाहनों में 26 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस बार फरवरी में ये 1347 बिके हैं। इसी तरह से कमर्शियल वाहनों की बिक्री में 20 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस बार फरवरी में ये 3014 बिके हैं।

63 सौ करोड़ का घाटा, बिजली 20 फीसदी महंगी करने जरूरत

- एक ही बार में सुप्रीम कोर्ट का अंतर को समाप्त करने का है निर्देश
- सरकार निकाल सकती है बीच का रास्ता, लेकिन कई खतरे भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पॉवर कंपनी की याचिका पर बीते साल एक फैसला दिया था कि पॉवर कंपनी का जितना घाटा है, वह एक बार में ही पूरा होना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल ने सभी राज्यों को ऐसा करने के लिए कहा है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस बार 63 सौ करोड़ घाटे की याचिका लगाई है। इस पर बिजली नियामक आयोग में मंथन चल रहा है। अगर आयोग इस घाटे को पांच हजार करोड़ का भी मान लेता है, तो 20 फीसदी तक बिजली का टैरिफ बढ़ाना पड़ेगा। अगर राज्य सरकार अपनी तरफ से सब्सिडी देगी, तभी जाकर बिजली की कीमत कम बढ़ेगी, नहीं तो बिजली की कीमत को घाटे के अनुरूप ही बढ़ाना पड़ेगा। पॉवर कंपनी ने नए सत्र 2026-27 के लिए पूरा लेखा-जोखा बनाकर नियामक आयोग में नए टैरिफ के लिए याचिका दायर की है। इस याचिका में बताया गया है कि प्रचलित दर से 26216 करोड़ का राजस्व मिलने की संभावना है। इसी के साथ साल भर का खर्च 25460 करोड़ बताया गया है। ऐसे में 756 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन इसी के साथ पिछले सत्रों की अंतर की राशि का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि नए सत्र के फायदे को पुराने अंतर की राशि में कम करने के बाद भी 63 सौ करोड़ के राजस्व की और जरूरत होगी। नए सत्र में 26 सौ करोड़ का राजस्व मिलेगा, पुराना घाटा 63 सौ करोड़ है, ऐसे में नए सत्र के लिए कुल 32 हजार पांच सौ करोड़ से ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई गई है। इस जरूरत के हिसाब से ही नया टैरिफ तय करने की मांग रखी गई है।

घाटे के हिसाब से बढ़ेगा टैरिफ

बिजली नियामक आयोग अब जनसुनवाई के बाद लेखा जोखा देख रहा है। आयोग तय करेगा कि वास्तव में कंपनी का कितना घाटा मान्य होगा। जानकारों के मुताबिक अगर आयोग ने 63 सौ करोड़ के घाटे को पांच हजार करोड़ भी माना तो इसके कारण बिजली की कीमत 20 फीसदी तक बढ़ानी पड़ेगी। बीते साल पांच सौ करोड़ का घाटा मानने पर दो फीसदी दाम बढ़े थे।

बीच का रास्ता...लेकिन यह नुकसान

आयोग के अधिकारियों का कहना है कि पूरे घाटे को तीन साल तक तीन किस्तों में भी बांटा जा सकता है, लेकिन ऐसा करने पर आरडीएसएस योजना के तहत केंद्र सरकार को पॉवर कंपनी को जो विभिन्न योजनआओं में करोड़ों रुपए की मदद मिलती है, वह प्रभावित हो सकती है। ऐसे में एक रास्ता यह है कि जिस तरह से दो साल पहले राज्य सरकार ने हजार करोड़ की सब्सिडी दे दी थी तो कीमत कम बढ़ी थी। इस बार भी राज्य सरकार अगर सब्सिडी दे देगी को उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है।

बिलासपुर
मंगलवार 10 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष : 25, अंक : 347
पृष्ठ : 10+6+8 =24, मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 37.8
न्यून. 23.7

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी, फूलोदेवी राज्यसभा सदस्य बनीं, अब पांच में तीन महिला सांसद

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ से भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी फूलोदेवी नेताम निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुई हैं। सोमवार को दोनों प्रमाणपत्र लेने विधानसभा पहुंचीं। प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद दोनों सांसदों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की और गले मिलकर बधाई दी। फूलो देवी राज्यसभा के लिए ▸▸|शेष पेज 6 पर

भाजपा के दो और कांग्रेस के तीन सांसद

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा के लिए पांच सांसदों में अब तीन सांसद महिला होंगी। कांग्रेस की रंजीता रंजन, फूलोदेवी नेताम और लक्ष्मी वर्मा भाजपा से हैं। इनके अलावा राज्यसभा सांसदों में कांग्रेस से राजीव शुक्ला और भाजपा से देवेंद्र प्रताप सिंह हैं। छत्तीसगढ़ में अब पांच में से तीन सांसद कांग्रेस और भाजपा के दो सांसद हो गए हैं। दोनों ही पार्टियों ने इस बार जातिगत और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी का चयन किया था।

महंत के साथ सर्टिफिकेट लेने पहुंचीं फूलो देवी

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के साथ जीत का सर्टिफिकेट लेने पहुंचीं फूलो देवी नेताम ने अपने निर्वाचन पर खुशी जाहिर की। अपने निर्वाचन को कांग्रेस पार्टी और कार्यकर्ताओं को समर्पित करते हुए कहा कि मैं देश और प्रदेश के विकास के लिए काम करती रहूंगी। इस दौरान पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज सहित कई कांग्रेसी विधायक और नेता मौजूद रहे।

राज्यसभा चुनाव

छग के डिप्टी सीएम शर्मा बिहार के पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को बिहार, हरियाणा और ओडिशा में होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, बिहार के चुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को नियुक्त किया गया है। हरियाणा के चुनावों के लिए गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को पर्यवेक्षक बनाया गया है। ओडिशा में होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

महंत बोले- छत्तीसगढ़ को अफीम का कटोरा बनाना चाहती है सरकार

अफीम की खेती पर विस में स्थगन नामंजूर
गर्भगृह में हंगामा, कांग्रेस विधायक निलंबित

हरिभूमि फॉलोअप

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में दुर्ग जिले के समोदा में अफीम की खेती के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव लाकर मामले की चर्चा कराने की मांग की, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद नारेबाजी करते हुए विपक्षी विधायक आसंदी तक पहुंच गए और गर्भगृह में भी हंगामा किया। इस दौरान विपक्षी विधायकों को निलंबित कर दिया गया। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित रही।

शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने अफीम की खेती का मुद्दा उठाया। उन्होंने विनायक ताम्रकार द्वारा अफीम की खेती किए जाने के मामले पर ▸▸|शेष पेज 6 पर

16 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जप्त

उन्होंने कहा, बीते दो साल में दो हजार से ज़्यादा प्रकरण में से पांच हजार से ज़्यादा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शासन ने सभी जिलों में टास्क फोर्स का गठन किया है। आरोपी और सप्लायरों के खिलाफ फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन अलग से किया जा रहा है। आरोपियों

■ सीएम बोले-हर अपराध पर सख्ती, मुख्य आरोपी गिरफ्तार, जांच में जो तथ्य आएंगे, कार्रवाई होगी

अफीम जब्त, आरोपियों पर कार्रवाई : उप मुख्यमंत्री विजय

उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि दुर्ग पुलिस को 6 मार्च को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी। किसी सरपंच से ऐसी सूचना नहीं मिली थी। सूचना मिली थी कि अवैध रूप से समोदा गांव के फॉर्म हाउस में अफीम की खेती की जा रही है। तत्काल वहां टीम पहुंची। एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाई की गई। दूसरे दिन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की मौजूदगी में जप्ती की कार्रवाई की गई। दोषियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अपराधों पर की जा रही सख्ती से कार्रवाई : साय

मामले को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद से ही हर प्रकार के अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। हालिया घटना में भी मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है और मामले की जांच जारी है। जांच में यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एफआईआर में नौकर को मुख्य आरोपी बताया : भूपेश

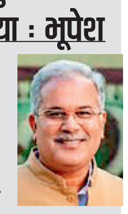

भूपेश बघेल ने कहा कि यह होली के ठीक पहले की घटना है। गांव के लोग लकड़ी एकत्रित करने गये थे, वहां चने के खेत से होते हुए उन लोगों ने यह खेती देखी। कलेक्टर का कहना है कि विनायक ▸▸|शेष पेज 6 पर

4 साल से हो रही खेती : अजय

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा, इसमें कांग्रेस शामिल है, मैं तो यही कहूंगा। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री का नाम लिया इसका असली तथ्य कहां है, यह खेती आज से नहीं चालू है, यह खेती 4 साल से हो रही है। वहां की दूरी पाटन से 40 किलोमीटर है।

भाजपा नेता के भाई का 34 साल से सरकारी जमीन पर कब्जा चला रहा था सीमेंट पोल की फैक्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

समोदा से झेंझरी के बीच 5 एकड़ 62 डिसमिल जमीन पर अफीम की खेती के खुलासे के बाद प्रशासन ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। मुख्य आरोपी और भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के भाई और रिश्तेदारों की जमीन के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। पता चला है कि विनायक के भाई ने 15 हजार वर्गफीट से ज्यादा सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है और उसमें सीमेंट पोल की फैक्ट्री चला रहा है। प्रशासन ▸▸|शेष पेज 6 पर

■ विनायक ताम्रकार की सारी संपत्ति खंगाली जा रही

8 करोड़ के कच्चे अफीम की जब्ती

पुलिस ने बताया कि समोदा में अफीम की खेती मिलने के बाद विनायक ताम्रकार और उसके परिवार के सभी सदस्यों की संपत्ति की जानकारी खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि परिवार के पास करीब 300 एकड़ जमीन है। बता दें कि पिछले दो दिन से पुलिस के रंगरूट अफीम के पौधों को हटाने का काम कर रहे हैं।

लंबे समय से है कब्जा, की जाएगी कार्रवाई

सरकारी जमीन को कब्जा किया गया था। बेदखली-वारंट जारी किया गया है। जमीन को समोदा निवासी बृजेश ताम्रकर ने कब्जा किया है। मंगलवार को कब्जा से बेदखल किया जाएगा। पूर्व सरपंच ने भी इसे लेकर 2013 में भी नोटिस जारी किया था।

-अरुण गौतम, सरपंच ग्राम समोदा

पश्चिम एशिया संकट पर हंगामा, अविश्वास प्रस्ताव पर शुरू नहीं हो सकी बहस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो गया है। बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल-ईरान युद्ध पर अपनी बात रखी और कहा कि हम पश्चिम एशिया के हालातों पर नजर रखे हुए हैं। जयशंकर के भाषण पर गठबंधन इंडिया के नेताओं ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया और चर्चा की मांग की। विपक्ष ने संसद परिसर में सरकार के खिलाफ हल्ला बोला। इधर, सदन में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी।

■ विपक्ष ने चर्चा की मांग को लेकर सदन के भीतर और बाहर जताया विरोध

रीजीजू ने गांधी परिवार पर साधा निशाना

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गांधी परिवार पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा, ऐसा गैरजिम्मेदार विपक्षी दल कभी नहीं देखा। क्या एक परिवार, एक व्यक्ति पूरे देश के राजा हैं। (कांग्रेस के) वरिष्ठ लोग अपनी अंतरात्मा में झांककर देखें कि इससे क्या भला हो रहा है, संसद की गरिमा को कितना गिराया है।"

राहुल बोले- चर्चा हुई तो सच्चाई सामने आ जाएगी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार संसद में पश्चिम एशिया मामले पर चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि यह बात सामने आएगी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है और वह 'कम्प्रोमाइज्ड' हो चुके हैं। राहुल गांधी ने यह दावा भी किया, आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से भाग गए हैं। अब वह सदन के अंदर नहीं आ पाएंगे। राहुल गांधी ने कहा, पश्चिम एशिया में आमूलचूल परिवर्तन करने की लड़ाई चल रही है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होने वाला है।

घरेलू सिलेंडर डिलीवरी के 25 दिन बाद होगा बुक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। सूत्रों से बताया कि अब उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन के बजाय 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच सरकार ने यह कदम गैस की जमाखोरी रोकने के लिए उठाया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पहले लोग लगभग 55 दिन में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल में कुछ लोग 15 दिन के अंदर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे।

सिलेंडर के दाम दो दिन पहले 60 रुपए महंगा

सरकार ने दो दिन पहले घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की एलपीजी गैस अब 913 रुपए की मिल रही है। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं।

मल्होत्रा की विधायकी खत्म रावत घोषित हुए नए एमएलए

ग्वालियर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने नामांकन के दौरान लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने के कारण विजयपुर विधानसभा क्षेत्र से 2024 के उपचुनाव में कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का निर्वाचन 'अमान्य' घोषित कर दिया है। ग्वालियर पीठ के न्यायमूर्ति जी.एस. अहलूवालिया ने भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत को इस सीट से निर्वाचित घोषित किया। पीठ के आदेश में कहा गया है कि श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का निर्वाचन 'अमान्य' घोषित किया जाता है।

■ उप चुनाव मामले में हाईकोर्ट का फैसला

जांच अवधि बढ़ने पर आरोपी को नहीं मिल सकती जमानत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु स्पष्ट करते हुए कहा है कि यदि गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत जांच अवधि विस्तार की अनुमति प्रारंभिक 90 दिनों की समाप्ति से पहले दे दी जाती है, तो इसे वैधानिक समय का वैध विस्तार माना जाएगा। ऐसी स्थिति में, आरोपी 90 दिन पूरे होने ▸▸|शेष पेज 6 पर

आईपीसी, आर्म्स एक्ट और यूएपीए की धारा लगी

सरपंच पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं, आर्म्स एक्ट और यूएपीए की धाराओं के तहत प्रतिबंधित नक्सली संगठनों के साथ संलिप्तता का आरोप लगाया गया था। जांच पूरी करने की प्रारंभिक 90 दिनों की वैधानिक अवधि 14 अक्टूबर, 2025 को समाप्त हो रही थी।

राज्य ने कहा- वैधानिक प्रक्रिया का किया पालन

राज्य की ओर से उप सरकारी अधिवक्ता सौम्य राय ने दलील दी कि विस्तार का आवेदन एक विस्तृत प्रगति रिपोर्ट के आधार पर दिया गया था। इसमें फरार सह-आरोपियों की गिरफ्तारी, जारी तलाशी अभियान और यूएपीए की धारा 45 के तहत आवश्यक वैधानिक मंजूरी लंबित होने का उल्लेख था।

देश में अब 53 चीते

तीसरी बार मां बनी ज्वाला पांच शावकों को दिया जन्म

एजेंसी ▸▸| श्योपुर

श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है। ज्वाला तीसरी बार मां बनी है और उसके इन नए शावकों के साथ कूनो में चीता परिवार और भी बड़ा हो गया है। पांच शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे स्वस्थ चीतों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह भारत की धरती पर चीतों का दसवां सफल जन्म समूह है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस खुशखबरी की जानकारी प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की।

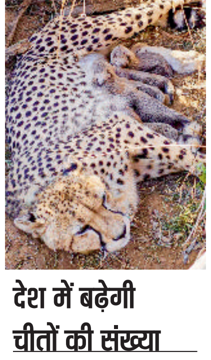

देश में बढ़ेगी चीतों की संख्या

वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। वन विभाग को उम्मीद है कि ज्वाला और उसके शावक स्वस्थ रहेंगे।

चिंतन

चर्चा के लिए लाए गए अपने ही विषयों से न भागे विपक्ष

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसदीय परंपरा और बहस की संस्कृति रही है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि विचारों के टकराव, तर्क-वितर्क और जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा का स्थान है। ऐसे में यदि संसद के भीतर उठाए गए विषयों पर ही राजनीतिक दल चर्चा से कतराने लगें, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंता का विषय बन जाता है। हाल ही में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर जो स्थिति बनी, उसने एक बार फिर इस सवाल को जन्म दिया है कि क्या राजनीतिक दल अपने ही उठाए मुद्दों पर बहस के लिए तैयार हैं। ऐसा है तो फिर वे चर्चा से क्यों भागते हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का मुद्दा जब संसद की कार्यसूची में शामिल था, तब केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब प्रस्ताव लाया जाता है तो संसदीय नियमों के अनुसार उसके समर्थन में कम से कम 50 सांसदों का खड़ा होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि विपक्ष प्रस्ताव लाना चाहता है तो उस पर चर्चा की अनुमति दी जाएगी, तब विपक्ष को आगे आकर नियमों के अनुसार अपनी बात रखनी चाहिए थी। दरअसल, संसद में किसी भी प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव या स्थगन प्रस्ताव को लाने की एक निश्चित प्रक्रिया होती है। यदि इन प्रक्रियाओं को दरकिनार कर केवल राजनीतिक शोर-शराबा किया जाए तो संसद की उपयोगिता कम हो जाती है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि वह सरकार की नीतियों पर तार्किक और तथ्यात्मक सवाल उठाए तथा बहस के माध्यम से जनता के मुद्दों को सामने लाए। इस पूरे प्रकरण में यह आरोप लगाया गया कि विपक्ष ने जिस मुद्दे को खुद उठाया, उसी पर चर्चा से बचने की कोशिश की और बीच में अन्य प्रस्ताव लाने का प्रयास किया। यदि यह सच है, तो यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। संसद में बहस से भागना न तो सरकार के लिए उचित है और न ही विपक्ष के लिए। लोकतंत्र में बहस ही वह माध्यम है जिसके जरिए जनता तक सच्चाई और तर्क दोनों पहुंचते हैं। संसद की कार्यवाही तय करने में बीएसी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही समिति विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए समय और प्रक्रिया निर्धारित करती है। यदि कोई विषय कार्यसूची में शामिल हो चुका है, तो उस पर चर्चा से पीछे हटना या व्यवधान पैदा करना संसदीय प्रक्रिया की गंभीरता को कम करता है। यह भी सच है कि भारतीय संसद में पिछले कुछ वर्षों में व्यवधानों की संख्या बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयक और मुद्दे बिना पर्याप्त चर्चा के ही पारित या स्थगित हो जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होती है। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन यह काम नारेबाजी या हंगामे से ज्यादा प्रभावी ढंग से बहस और तथ्यों के जरिए किया जा सकता है। वहीं सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उसे विपक्ष की बात सुनने और उसे पर्याप्त समय देने की राजनीतिक उदारता दिखानी चाहिए। संसद तभी सार्थक बनती है जब वहां सत्ता और विपक्ष दोनों की आवाज सुनी जाए। यदि कोई पक्ष चर्चा से बचता है या दूसरा पक्ष चर्चा को टालता है, तो अंततः नुकसान लोकतंत्र का ही होता है। इसलिए आवश्यक है कि संसद को टकराव नहीं, बल्कि संवाद का मंच बनाया जाए।

युद्ध में मनुष्यता ही हारती है

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

दुनिया इन दिनों युद्ध के साए में जी रही है जिसके लिए शासकों की सनक और उनका गैर जिम्मेदाराना रवैया ही प्रमुख रूप से जवाबदेह है। वर्तमान में अमेरिका-इजरायल और ईरान, रूस-यूक्रेन, पाकिस्तान -अफगानिस्तान और इजरायल-गाजा के बीच युद्ध चल रहा है। इसके अलावा सूडान, म्यांमार, यमन में सिविल वार जारी है। भौगोलिक तौर पर देखें तो दुनिया का 25 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त है। विभिन्न देशों के बीच होने वाले युद्ध तथा गृहयुद्ध के लिए धार्मिक कट्टरवाद, जातीय संघर्ष, अंतर्राष्ट्रीय सीमा विवाद, परमाणु हथियारों का होड़,नशीले पदार्थों का व्यापार, संसाधनों पर कब्जा और शासकों की विस्तारवादी नीति जैसे कारण जिम्मेदार हैं। विभिन्न कट्टरपंथी धार्मिक और अलगाववादी संगठनों को कई सरकारों द्वारा आर्थिक और राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है फलस्वरूप दुनिया में अशांति और हिंसात्मक घटनाएं लगातार बढ़ रही है। अलबत्ता इन अंतर्राष्ट्रीय युद्ध और गृहयुद्ध का अभिशाप आम नागरिकों जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं उन्हें ही भोगना पड़ रहा है। युद्ध के इतिहास पर गौर करें तो आम तौर पर हर जंग में बड़ी संख्या में बेकसूर नागरिकों और सैनिकों की मौत होती है।इसके अलावा युद्ध की विभीषिका पलायन, अशिक्षा, बेरोजगारी, अपंगता, बीमारी, भूखमरी, कुपोषण, महामारी और गरीबी का भी मर्ज देती है जिसका दर्द युद्ध पीड़ितों को दशकों-सदियों तक पीढ़ी दर पीढ़ी सालते रहता है।

दुनिया में धार्मिक कट्टरवाद लगातार बढ़ रहा है जिसका असर वैश्विक राजनीतिक पर दृष्टिगोचर हो रहा है। विभिन्न देशों के सरकारों और सेना पर कट्टरपंथी धार्मिक और अलगाववादी संगठनों का सीधा हस्तक्षेप है। ऐसे देश अपने पड़ोसी मुल्कों में हिंसात्मक और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं फलस्वरूप जंग के हालात पैदा हो रहे हैं।गौरतलब है कि अमेरिका - इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की शुरुआत बीते 28 फरवरी को अमेरिकी द्वारा ईरान पर किए गए हमले बाद से हुई है। इस अमेरिकी हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर और शिया मुसलमानों के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला खामेनेई सहित 40 से ज्यादा शीर्षस्थ सैन्य अधिकारी और कमांडर मारे गए। इस हमले के दौरान ईरान के मिनाब काउंटी में एक गर्ल्स स्कूल में बमबारी के चलते 160 स्कूली छात्राओं के मौत की दर्दनाक खबर सामने आई है। दूसरी ओर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई तेज करते हुए इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के अनेक इलाकों में मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। इस जंग के चलते अभी तक कुल 1,701 लोग मारे गए हैं जिसमें

ईरान के 1,332 नागरिक और सैनिक मारे गए हैं। ईरानी हमले में इजरायल के 11 नागरिक और सैनिक तथा अमेरिका के 6 सैनिकों के मारे जाने की खबरें हैं। लेबनान और अन्य खाड़ी देशों में 339 लोगों की मौत इस युद्ध में होने की खबरें हैं जिसमें बड़ी संख्या में मासूम बच्चों की भी मौत हुई है। इधर अमेरिका और इजरायल ने इस कार्रवाई के पीछे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके द्वारा अनेक आतंकवादी संगठनों को सैन्य और आर्थिक मदद को जिम्मेदार ठहराया है। विडंबना है कि इन हमलों में 65 स्कूलों और 14 अस्पतालों को भी निशाना बनाया गया है।

हालिया युद्ध के पृष्ठभूमि पर गौर करें तो इसके मूल में इजरायल और गाजा के बीच जारी जंग है। गौरतलब है कि फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में उत्सव मना रहे यहूदियों एवं विदेशी नागरिकों पर पर सशस्त्र हमला किया गया था। इस हमले में 1200 यहूदियों सहित विदेशी नागरिकों का सरेआम कत्लेआम किया गया था और 240 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल और गाजा पट्टी के बीच युद्ध छिड़ गया जिसमें अभी तक 72,000 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। अमेरिका - ईरान युद्ध के चलते भारत सहित दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक और व्यापारिक तौर पर मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। भारत से बड़ी संख्या में लोग शिक्षा, रोजगार और पर्यटन के लिए खाड़ी देशों में जाते हैं जो इस युद्ध के चलते अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक खाड़ी देशों में तकरीबन 90 लाख से 1 करोड़ के बीच भारतीय रह रहे हैं जो निर्माण, विमानन, चिकित्सा और नर्सिंग तथा होटल और प्रबंधन क्षेत्र में कार्यरत हैं। ईरान में 2000 कश्मीरी छात्र हैं जिनके अभिभावक चिंतित हैं और भारत सरकार से हस्तक्षेप की गुजारिश कर रहे हैं। इधर भारत सरकार ने 'मिशन स्वदेश' के जरिए बीते एक सप्ताह में 52 हजार से ज्यादा भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित किया है। अलबत्ता इस जंग का खत्म होना समूची दुनिया के लिए जरूरी है क्योंकि युद्ध के चलते ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (जलडमरूमध्य) को बाधित करने की संभावना है। इस मार्ग से भारत अपने जरूरत का 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा तेल उत्पादन और परिवहन में रुकावट की वजह से दुनिया में पेट्रोल, डीजल और पेट्रोलियम गैस की किल्लत बढ़ेगी जिससे महंगाई बढ़ेगी।

अब बात रूस और यूक्रेन युद्ध की करें जिसकी शुरुआत 24 फरवरी 2022 को हुई थी। इस जंग के शुरूआत में यह दावे किए जा रहे थे कि रूस महज दो हफ्तों में यूक्रेन को घुटने टेकने को मजबूर कर देगी लेकिन आज चार सालों बाद भी जंग जारी है जिसके निकट भविष्य में खत्म होने की संभावना नहीं है। रक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के मुताबिक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे लंबा चलने वाला युद्ध है जिसने वैश्विक समीकरण बदल दिया है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज 'सीएसआईएस' के मुताबिक इस युद्ध में रुस के करीब 3.25 लाख सैनिक मारे गए हैं तो 2 लाख यूक्रेनी सैनिकों की जान गई है।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते 21 फरवरी से जंग जारी है जिसमें पाकिस्तान वायु सेना ने अफगानिस्तान के अनेक प्रांतों में हवाई हमला कर दिया। इधर पाकिस्तानी सेना के मुताबिक अफगानिस्तान के इन इलाकों में आतंकवादी संगठनों के शिविर चल रहे थे जिसके सदस्यों ने पाक के अनेक शहरों में आतंकवादी हमले किए थे।

विचारणीय है कि दुनिया के अनेक देशों और संगठनों ने युद्धरत देशों से युद्धविराम करने की अपील की है बावजूद इन देशों के शासकों के सनक के चलते दुनिया असहाय नजर आ रही है।इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर लगातार सवालिया निशान लग रहा है तथा इसके प्रासंगिकता पर भी बहस जारी है।

दूसरी ओर युद्धग्रस्त देशों का मंजर भयावह है बमबारी के चलते इन देशों के प्रमुख शहर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इन देशों के शहरों के सड़कों पर लाशें बिखरी पड़ी है, अस्पतालों में उपचार रत घायल मासूम बच्चों की तस्वीरें ह्रदय विदारक है। आगजनी और धुआं हर पल को भयावह बना रही है, एंबुलेंस और हवाई हमले के सायरन खामोशी तोड़ रही है। अस्पतालों, स्कूलों, थिएटर और रिहायशी इलाकों में बमबारी के बाद जान बचाने के लिए सड़कों पर बदहवास भागती भीड़ बेहद दर्दनाक है। पानी, दूध, ब्रेड और दवाई के हाहाकार मचाती महिलाओं और बुजुर्गों की भीड़ युद्धरत देशों के शासकों की मनुष्यता पर सवाल खड़ा कर रही है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध में कभी किसी की विजय नहीं होती लेकिन हार हमेशा मनुष्यता की ही होती है। विश्वयुद्ध से लेकर देशों के बीच हुए जंग के नतीजे गवाह हैं कि इन विभिषिकाओं को हमेशा आने वाली पीढ़ी दशकों भोगती है। इस जंग में उन बेकसूर युवा, बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों की जाने जाती है जिनका कोई वास्ता इस युद्ध के जीत या हार से नहीं होती। युद्ध के कोख से ही शरणार्थी जन्म लेते हैं जिन्हें अन्य देशों में शरण लेना पड़ता है। इन शरणार्थियों की नियती शरण लेने वाले देश में की दोयम दर्जे के आदमी की बन जाती है जहां उसे रोटी, कपड़ा और सर पर छत के लिए स्थानीय प्रशासन के रहमो-करम पर निर्भर होने के लिए मजबूर हो जाता है। शरणार्थी समस्या अनेक देशों के लिए जहां आर्थिक बोझ साबित हो रहा है वहीं इससे देश के भीतर अशांति भी पैदा हो रही है। दुनिया भर के शासकों को इन सबकों से सीख लेने की जरूरत है क्योंकि युद्ध से कभी भी मसले हल नहीं होते बल्कि यह केवल प्रलाप और विभिषिका ही लेकर आता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध और गांधी के अहिंसा और शांति की राह चुननी होगी ताकि मनुष्यता की रक्षा संभव हो सके।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

मुद्दा
सेंट्रल डेस्क

देश की आर्थिक सेहत बिगाड़ सकता है तेल

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज उछाल के कारण भारतीय वित्तीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। ईरान से जुड़े बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के चलते तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय मुद्रा और शेयर बाजार दोनों पर दबाव पड़ा। भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर 92.33 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप के बावजूद इसमें कमजोरी बनी रही। इसी दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 3% तक गिर गए, हालांकि बाद में इनमें थोड़ी रिकवरी देखी गई। ब्रेंट क्रूड की कीमत 25% से अधिक बढ़कर लगभग 117 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से ही तेल की कीमतों में कुल मिलाकर 50% से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 89% आयात करता है, यह स्थिति आर्थिक रूप से बेहद संवेदनशील है। तेल महंगा होने से आयात बिल बढ़ता है, महंगाई बढ़ती है, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि यह भू-राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है, तो इसका असर केवल वित्तीय बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आर्थिक विकास, सरकारी वित्त और कॉरपोरेट आय पर भी पड़ सकता है।

इस संकट का एक बड़ा पहलू हॉर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। भारत का लगभग 2.6 मिलियन बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन इसी रास्ते से गुजरता है। यदि इस मार्ग में कोई बाधा आती है, तो भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। कुछ विशेषज्ञों ने इससे भी खराब स्थिति की चेतावनी दी है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि यदि संघर्ष और बढ़ता है और खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर भारतीय रुपये पर भी पड़ा है। तेल महंगा होने पर भारत को आयात के लिए अधिक डॉलर की आवश्यकता होती है, जिससे विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ जाती है। साथ ही वैश्विक अनिश्चितता के समय निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों, विशेषकर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं। इन दोनों कारणों से रुपये पर दोहरा दबाव बना है। आरबीआई द्वारा डॉलर बेचकर बाजार को स्थिर करने की कोशिश के बावजूद आयातकों और निवेशकों की मांग के कारण रुपये में कमजोरी बनी रही।

भारतीय शेयर बाजारों में आई गिरावट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के महीनों में कंपनियों के वित्तीय परिणाम बेहतर हो रहे थे। कई कंपनियों ने लगातार कई तिमाहियों में दो अंकों की लाभ वृद्धि दर्ज की थी और विश्लेषकों का अनुमान था कि वित्त वर्ष 2025 से 2027 के बीच निफ्टी कंपनियों की आय लगभग 12% की दर से बढ़ सकती है। लेकिन तेल की कीमतों में उछाल इस सकारात्मक रुझान को प्रभावित कर सकता है। ऊर्जा महंगी होने से विमानन, परिवहन, रसायन, विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों की लागत बढ़ जाती है। यदि कंपनियां यह अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पातीं, तो उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। साथ ही, ईंधन महंगा होने से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति घटती है, जिससे मांग भी कमजोर पड़ सकती है। हालांकि इन जोखिमों के बावजूद नीति-निर्माताओं का कहना है कि भारत पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है। वर्तमान में देश के पास 250 मिलियन बैरल से अधिक का कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार है, जो मैंगलोर, पडुर और विशाखापत्तनम जैसे रणनीतिक भंडारण केंद्रों में रखा है। इसके अलावा, भारत ने पिछले दशक में तेल आयात के स्त्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर लगभग 40 देशों तक विविधीकृत किया है, जिनमें रूस, पश्चिम अफ्रीका व अमेरिका भी शामिल हैं। कुल मिलाकर, भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी संकेतक अभी भी अपेक्षाकृत मजबूत हैं- जैसे नियंत्रित महंगाई, स्थिर आर्थिक वृद्धि, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और संतुलित राजकोषीय स्थिति। फिर भी, बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और ऊंची तेल कीमतें बाहरी जोखिम पैदा कर रही हैं। यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो रुपये, वित्तीय बाजारों और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। इसलिए भारत की आर्थिक स्थिति काफी हद तक वैश्विक ऊर्जा बाजारों और खाड़ी क्षेत्र की स्थिरता पर निर्भर बनी हुई है।

उपकार

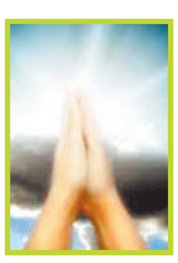

संकलित
दर्शन

किसी संकट एवं कष्ट के समय हर क्षण हमारी जिह्वा पर प्रभु का नाम होता है। मन, कर्म एवं वचन से भी हमें उनके अनुनय-विनय की मुद्रा में ही रहते हैं। फिर एक दिन जब हम प्रभु की अनुकंपा से उन बुरे दिनों की चपेट से उबर जाते हैं तो उन्हें भूल जाते हैं। इस प्रकार जन्म से लेकर आज तक हमारे ऊपर ईश्वर के ऐसे उपकारों का सिलसिला अनंत है। प्रभु के उपकार रूपी ऋण से उऋण होना हम मनुष्यों के लिए जीवनपर्यत असंभव है। धन्य हैं वे करुणानिधान, जिन्होंने विशेष कृपा कर हमें बनाया। हाथ, कान, नाक, पांव, बुद्धि एवं घ्राण क्षमता-सब कुछ कार्योपयोगी। यदि वह एकाध अंग-उपांग से अथवा अनेक जीवनोपयोगी शारीरिक क्षमताओं से वंचित कर विपरीत परिस्थितियों में जन्म दे देते तब भी हमें जीवन जीना ही पड़ता। तो क्या फिर हम अपनी शक्ति एवं सामथ्र्य पर इतना इतरा पाते? बिल्कुल नहीं। तब पल-पल संघर्ष एवं परिश्रम कर सब कुछ डोलना ही होता। प्रभु ने कुछ तो समझ-बूझकर हम मनुष्यों को जीवन की ये तमाम अनुकूलताएं दी होंगी। भगवान ने इतनी सुविधाएं दीं तो बदले में हमने क्या विलक्षण किया? वास्तव में ईश्वर ने हमें ये सारी अनुकूलताएं एवं सुविधाएं कुछ विशेष कार्य करने के लिए दी हैं, न कि केवल व्यर्थ में कुछ विशेष होने-समझने के लिए। समस्या यह है कि औरों के कल्याण एवं हित के लिए प्रभु-दरबार से अनुकंपा पर मिली वस्तुओं को हमने भूलवश नितांत अपना ही समझ लिया। इसलिए आनंद देने वाली उन सब वस्तुओं से भय, क्रोध, लालच, पीड़ा,ईर्ष्या, द्वेष एवं पीड़ा टपकने लगी।

जब कोई झूठा आरोप लगे तो धैर्य न छोड़ें

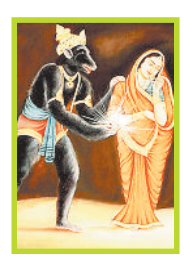

संकलित
प्रेरणा

द्वारका में एक सूर्य भक्त था सत्राजित। उसे सूर्य देव ने स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। ये मणि रोज बीस तोला सोना उगलती थी। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में देंगे तो इससे मिले धन से प्रजा की अच्छी देखभाल हो सकेगी। सत्राजित ने श्रीकृष्ण को मणि देने से मना कर दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद सत्राजित के भाई प्रसेनजित ने मणि चुरा ली। प्रसेनजित मणि लेकर जंगल में भाग गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। मणि जंगल में ही गिर गई। सत्राजित को जब प्रसेनजित और अपनी मणि नहीं मिली तो उसने श्रीकृष्ण पर आरोप लगा दिया कि कृष्ण ने ही मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण पर चोरी और हत्या का कलंक लग गया। श्रीकृष्ण आरोप को गलत साबित करने के लिए जंगल की ओर चल दिए। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पैरों के निशान दिखे।श्रीकृष्ण समझ गए कि प्रसेनजित को शेर ने मार दिया है और मणि यहीं कहीं गिर गई है। श्रीकृष्ण मणि खोजते हुए एक गुफा में पहुंच गए। गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण ने मणि मांगी तो जामवंत ने नहीं दी। इसके बाद दोनों का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीत गए। इसके बाद जामवंत ने मणि श्रीकृष्ण को दे दी और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी भगवान के साथ कर दिया। द्वारका लौटकर श्रीकृष्ण ने वह मणि जामवंत से लेकर सत्राजित को दे दी और पूरी सच्चाई बता दी।

अंतर्मन

आज की पाती

हंगामे और गतिरोध की संसद

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद को सर्वोच्च मंच माना जाता है, जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि देश की नीतियों, समस्याओं और भविष्य की दिशा पर गंभीर चर्चा करते हैं। किंतु दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद की कार्यवाही बार-बार हंगामे और गतिरोध की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के प्रारंभ से पहले ही जिस तरह हंगामे की आशंका व्यक्त की जा रही है, वह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंताजनक संकेत है। विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर तीखी बहस होना स्वाभाविक है, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का अधिकार विपक्ष को प्राप्त है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि वर्तमान परिस्थितियों में यह प्रस्ताव संख्या बल के आधार पर पारित होने की स्थिति में नहीं है।

– विवेक बैनर्जी, रायगढ़

ट्रेंड

बहस से भाग रही कांग्रेस

यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था, जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख तय की गई थी। -**पीयूष गोयल**, केंद्रीय मंत्री

विपक्ष को हंगामे की आदत

विपक्ष को हंगामा करने की आदत है। वे काम नहीं करना चाहते। आज लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन उन्होंने यूएस-इजराइल बनाम ईरान विवाद पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा, विवाद पर भारत का रुख साफ है।
-**रामदास अठावले**, केंद्रीय मंत्री

विपक्ष को भरोसे में ले सरकार

हमें वेस्ट एशिया में युद्ध के हालात और फ्यूल की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर चर्चा करने की जरूरत है। यह पार्टी का मामला नहीं है। सरकार को विपक्ष को भी भरोसे में लेना होगा। देश में बढ़ती महंगाई और रसोई गैस पर सरकार अपना रुख स्पष्ट करे।
-**केसी वेणुगोपाल**, सांसद, कांग्रेस

विदेश नीति पर चर्चा जरूरी

अमेरिका यह तय कर रहा है कि हमें किससे तेल खरीदना चाहिए। भारत की विदेश नीति पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। सरकार को इस पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अमेरिका कौन होता है जो भारत को बताए कि आपको क्या करना है, क्या नहीं।
-**अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

करंट अफेयर

बर्फ की चट्टान टूटने से फंसे 23 लोगों को बचाया गया

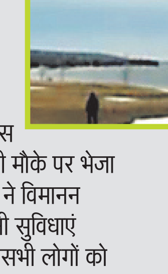

कनाडा के दक्षिण-पश्चिमी ओंटारियो स्थित जॉर्जियन बे के तट से बर्फ की चट्टान टूटकर बह जाने के बाद उस पर फंसे 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस के अनुसार बर्फ का बड़ा टुकड़ा तट से अलग होकर एक मील से अधिक दूरी तक बह गया और कई हिस्सों में टूट गया, जिससे कुछ लोग बर्फीले पानी में आंशिक रूप से डूब गए। ग्रे-ब्रूस इकाई के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार दोपहर कई लोगों के बर्फ पर फंसने की सूचना मिली थी। मदद के लिए पुलिस के विमानन और समुद्री इकाइयों के साथ-साथ जॉर्जियन ट्रायंगल के आसपास स्थित काउंटी के अग्निशमन विभागों के कर्मियों को भी मौके पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि 'कॉबल बीच गोल्फ कोर्स' ने विमानन इकाइयों और प्राथमिक उपचार व्यवस्था के लिए अपनी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। अधिकारियों के अनुसार दोपहर तक सभी लोगों को सुरक्षित रूप से हेलीकॉप्टर के जरिए तट पर वापस लाया गया। उनमें से कुछ मामूली रूप से जख्मी हो गये।

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

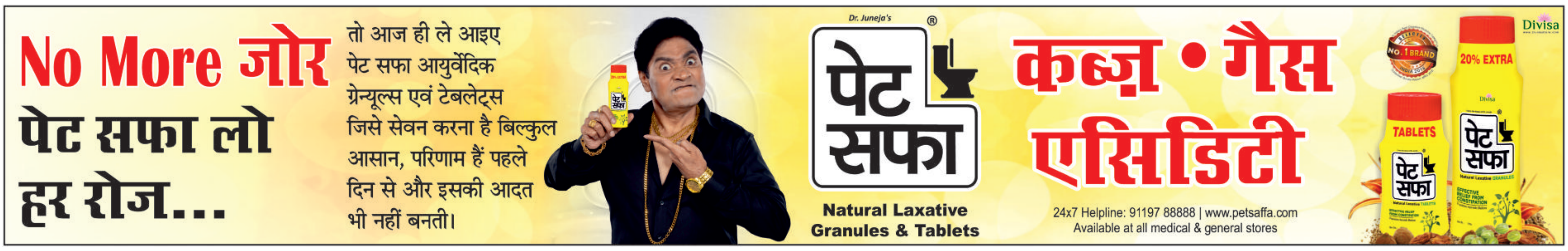

7 घंटे हवा में रहने के बाद इथियोपिया सीमा से इंडिगो फ्लाइट का शॉकिंग यू-टर्न

दिल्ली-मैनचेस्टर उड़ान टेकऑफ के बाद वापस लौटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में छिड़े भीषण युद्ध से हवाई यातायात पूरी तरह से चरमरा गया है। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई33) को हवा में ही वापस दिल्ली लौटना पड़ा। यह विमान करीब सात घंटे तक आसमान में रहा, लेकिन अचानक बदली हुई सुरक्षा परिस्थितियों और एयरस्पेस पर लगी पाबंदियों के कारण इसे अपनी यात्रा बीच में ही रोकनी पड़ी।

क्यों वापस लौटा विमान?

विमान ने सुबह दिल्ली से उड़ान भरी थी और उसे लगभग 11 घंटे का सफर तय करना था। युद्ध के कारण एयरलाइन ने पहले ही एक लंबा और सुरक्षित रूट चुना था, जो मिडिल ईस्ट को बचाते हुए अदन की खाड़ी और अफ्रीका की तटरेखा के ऊपर से जा रहा था। विमान इथियोपिया-एरिट्रिया बॉर्डर के करीब पहुंच चुका था, जब उसे वापस लौटने का निर्देश मिला। जैसे-जैसे युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, एयरस्पेस से जुड़ी गाइडलाइंस में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। यही वजह रही कि सुरक्षा कारणों से विमान को आगे ले जाना संभव नहीं रहा। इंडिगो के अनुसार, यह फैसला अंतिम समय में लागू हुई एयरस्पेस पाबंदियों के चलते लिया गया। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि, 'मिडिल ईस्ट में तेजी से बिगड़ते हालात के कारण हमें कुछ उड़ानों के रूट बदलने या उन्हें वापस बुलाने पड़ रहे हैं। हम संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर यात्रा को दोबारा शुरू करने की संभावनाओं पर काम कर रहे हैं।' यह फ्लाइट 26 फरवरी के बाद फिर से शुरू हुई थी, जिसे युद्ध की अनिश्चितता ने एक बार फिर से प्रभावित कर दिया है।

विमानन क्षेत्र पर मिडिल ईस्ट युद्ध की मार

28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद से शुरू हुआ यह संघर्ष अब कई खाड़ी देशों तक फैल गया है, जिससे वहां के हवाई क्षेत्र को 'हाई रिस्क ज़ोन' घोषित कर दिया गया है। यह केवल एक इंडिगो फ्लाइट की बात नहीं है, बल्कि पूरा वैश्विक विमानन क्षेत्र इस समय चुनौतियों से जूझ रहा है। ईरान, इराक, सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देशों के ऊपर से गुजरने वाली ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अब लंबा चक्कर काटकर जाना पड़ रहा है, जिससे ईंधन की खपत बढ़ रही है और यात्रियों का समय भी खराब हो रहा है। एयरलाइंस के लिए एक बड़ा संकट यह है कि सुरक्षा निर्देश कुछ-कुछ घंटों में बदल रहे हैं, जिससे लंबी दूरी की उड़ानों का संचालन एक जटिल चुनौती बन गया है।

'कई फ्लाइट्स का रूट बदल सकता है'

इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि मिडिल ईस्ट और उसके आस-पास के बदलते हालात की वजह से, हमारी कुछ फ्लाइट्स लंबे रूट ले सकती हैं या उनका रूट बदल सकता है। एयरलाइन ने कहा कि वह अभी अधिकारियों के साथ मिलकर यह तय कर रही है कि यात्रा फिर से शुरू हो सकती है या नहीं। प्रवक्ता ने आगे कहा, हम यात्रा फिर से शुरू करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं।

अमेरिका-इजराइल ने 28 फरवरी को किया था ईरान पर हमला

मिडिल ईस्ट में युद्ध तब शुरू हुआ जब अमेरिका और इजराइल, दो सहयोगी देशों ने 28 फरवरी को ईरान पर मिलकर हमला किया, जिसमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। तब से ईरान, खाड़ी देशों में इजराइल और यूएस मिलिट्री बेस पर हमला कर रहा है। दोनों सहयोगी देश भी ईरानी ठिकानों पर हमला कर रहे हैं।

अब तक 2500 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों और एयरलाइंस रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान-इजरायल युद्ध के कारण 28 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक भारत से मिडिल ईस्ट जाने वाली करीब 2500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स कैंसल हो चुकी हैं।

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के साये में है हॉर्मुज स्ट्रेट

दो करोड़ बैरल तेल के रास्ते में ब्रेकर बड़े संकट की दहलीज पर दुनिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉर्मुज स्ट्रेट ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के साये में है। इसने दुनिया की सांसें थाम दी हैं। ब्रेंट क्रूड एक बार फिर दबाव में है। यह 120 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रहा है। ट्रेडर होर्मुज स्ट्रेट से सप्लाई में संभावित रुकावटों के असर का अंदाजा लगाने में जुटे हैं। दुनिया भर में तेल की डिमांड लगभग 10 करोड़ बैरल प्रति दिन है। इस संकरे पानी के रास्ते में लंबे समय तक रुकावट अच्छी नहीं है। इसका असर 1970 के दशक के ऑयल शॉक जितना या उससे भी ज्यादा हो सकता है।

2 करोड़ बैरल तेल का रास्ता

यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, हर दिन लगभग 2 करोड़ बैरल तेल और पेट्रोलियम लिक्विड होर्मुज से गुजरता है। यह दुनिया भर में तेल खपत का लगभग 20 फीसदी है। दुनिया के समुद्री तेल कारोबार का यह एक चौथाई से ज्यादा है। इनमें से ज्यादातर शिपमेंट एशिया जाते हैं। इसमें चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया की बड़ी हिस्सेदारी है। ये मिलकर स्ट्रेट से गुजरने वाला आधे से ज्यादा क्रूड ऑयल लेते हैं। किसी भी लंबे समय तक रुकावट का इन अर्थव्यवस्थाओं पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा। मार्केट न्यूजलेटर द कोबेसी लेटर के एक वायरल चार्ट में चेतावनी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि पूरी रुकावट से इतिहास का सबसे बड़ा ऑयल शॉक लग सकता है। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस अनुमान से दुनिया भर के ट्रेडिंग डेस्क में हलचल मच गई है।

85 फीसदी इंपोर्ट करता है भारत

भारत अपनी क्रूड ऑयल की जरूरत का लगभग 85 फीसदी इंपोर्ट करता है। इसके चलते उसकी अर्थव्यवस्था लोबल प्राइस स्विंग के प्रति खास तौर पर सेंसिटिव है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, तेल की कीमतों में 10 फीसदी की बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ सकती है। शॉर्ट-टर्म ग्रोथ धीमी होने का डर है। थोड़ी सी रुकावट भी कीमतों को तेजी से बढ़ा सकती है। इससे फिस्कल बैलेंस और फाइनेंशियल मार्केट दोनों पर असर पड़ सकता है। स्ट्रक्चरल कमजोरी साफ है।

पॉप स्टार रिहाना के घर पर 10 राउंड फायरिंग

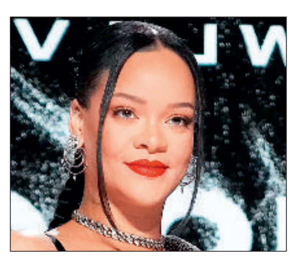

लास एंजलिस। अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना लॉस एंजिलिस के ब्रेबरी हिल्स में हुई। जहां एक महिला ने रिहाना के घर की ओर 10 राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली घर की दीवार पर लगी है। हमले की जानकारी मिलते ही लास एंजिलिस पुलिस मौके पर पहुंची और 30 साल की एक महिला को हिरासत में लिया। रॉयटर्स के मुताबिक हमले के वक्त रिहाना घर पर मौजूद थीं, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक सड़क के उस पार खड़ी एक गाड़ी से करीब 10 गोलियां चलाई गईं। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

केजरीवाल-सिसोदिया सहित 23 आरोपियों को फिर मिला नोटिस

दिल्ली शराब नीति केस पर हाइकोर्ट ने मांगा जवाब

एजेंसी:नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को दिल्ली शराब नीति केस में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित मनी लॉनड्रिंग (पीएमएलए) मामले में ट्रायल कोर्ट आगे की सुनवाई तब तक टाल दे, जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर आगे सुनवाई न कर ले। ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसी आदेश को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक

हाईकोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी केस की जांच करने वाले सीबीआई ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन लेने के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को मामले में आरोपी बनाए गए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिय समेत 23 लोगों को बरी कर दिया था।

यह कहा सीबीआई ने

सीबीआई ने अपनी 974 पेज की याचिका में कहा है कि ट्रायल कोर्ट ने चार्ज फ्रेमिंग के चरण में ही मिनी-ट्रायल जैसा व्यवहार किया। कोर्ट ने पूरे सबूतों को विस्तार से जांचना शुरू कर दिया, जैसे कि पूरा केस चल रहा हो। जबकि इस स्तर पर केवल सरसरी नजर से मामला देखा जाता है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एजेंसी फिलहाल डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ट्रायल कोर्ट का फैसला ईडी की मनी लॉनड्रिंग जांच को प्रभावित न करे।

'आधी रात को ड्रॉफ्ट करते हो क्या ऐसी याचिकाएं'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक वकील द्वारा दायर पांच 'फ्रिवोलस' (निराधार) जनहित याचिकाओं (पीआईएल) को खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में से एक याचिका में प्याज और लहसुन में 'तामसिक' (नकारात्मक) ऊर्जा होने की वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वकील सचिन गुप्ता को फटकार लगाते हुए पूछा, आधी रात को ये सब याचिकाएं ड्राफ्ट करते हो क्या?' चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमलया बागची की पीठ ने वकील को फटकार लगाई और कहा कि ये याचिकाएं 'अस्पष्ट, फ्रिवोलस और निराधार' हैं। पीठ ने कहा कि गुप्ता ने एक के बाद एक ऐसी याचिकाएं दायर की हैं, जिनमें कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है।

याचिकाकर्ता का तर्क

याचिकाकर्ता ने अपनी प्याज-लहसुन वाली याचिका में जैन समुदाय की आहार परंपराओं का हवाला दिया गया था, जहां जैन लोग प्याज, लहसुन और जड़ वाली सब्जियों को 'तामसिक' मानकर परहेज करते हैं। याचिका में मांग की गई थी कि एक समिति बनाई जाए जो जांच करे कि प्याज और लहसुन में क्या 'तामसिक' या नकारात्मक सामग्री है। इस पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने वकील से पूछा, 'आप जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस क्यों पहुंचाना चाहते हैं?' सचिन ने जवाब दिया कि ये एक सामान्य मुद्दा है और गुजरात में कथित तौर पर प्याज के इस्तेमाल को लेकर एक तलाक का मामला सामने आया था।

4 अन्य याचिकाएं भी खारिज

साथ ही पीठ ने याचिकाकर्ता की उन चार अन्य जनहित याचिकाओं को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने शराब और तंबाकू उत्पादों में कथित रूप से हानिकारक सामग्री को विनियमित करने के निर्देश मांगे गए थे, दूसरी याचिका में उन्होंने संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण को सुनिश्चित करने के निर्देश मांगे गए थे, जबकि एक अन्य में शास्त्रीय भाषाओं की घोषणा पर दिशानिर्देश मांगे गए थे। इन याचिकाओं को खारिज करते हुए बेंच ने कहा कि याचिकाओं में की गई प्रार्थनाएं अस्पष्ट थीं और उनका कोई उचित कानूनी आधार नहीं था। कोर्ट ने कहा कि इन सभी याचिकाओं की फाइलिंग बिना सोचे-समझे की गई थीं।

तो भारी जुर्माना लगाते : सीजेआई ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा, 'अगली बार ऐसी निराधार याचिका लेकर आए तो देखिएगा हम क्या करते हैं।'

रविवार को 86 नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई, जद में बीएमडब्लू, ऑडी जैसी लग्जरी कार के मालिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हाई क्लास से लेकर मिडिल क्लास के लोगों के लिए नशा करने का प्रमुख केंद्र वीआईपी रोड स्थित होटल, क्लब, बार तथा ढाबा है। नशे की हालत में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस तथा ट्रैफिक पुलिस की टीम ने रविवार को वीआईपी रोड सहित तेलीबांधा थाना क्षेत्र के आधा दर्जन स्थानों पर गाड़ियों की जांच कर 86 नशेड़ियों को नशे की हालत में गाड़ी चलाते पकड़ा। जिन 86 नशेड़ियों को नशे की हालत में पुलिस ने गाड़ी चलाते पकड़ा है, उनमें तीन नशेड़ी ऑडी, बीएमडब्लू जैसी लग्जरी कार चलाते धरे गए।

पुलिस तथा ट्रैफिक पुलिस ने पिछले 10 दिनों में अभियान चलाकर 614 नशेड़ियों को नशे की हालत में गाड़ी चलाते पकड़ा है। पुलिस ने जिन नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें ज्यादातर शराब के नशे में चारपहिया वाहन चलाते पकड़े गए हैं। ज्यादातर वाहन चालक वीआईपी रोड की तरफ नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े गए हैं। ज्यादातर बड़े क्लब के साथ होटल तथा बार वीआईपी रोड, मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में आते हैं। इसीलिए पुलिस इस क्षेत्र को संवेदनशील मानते हुए इसी क्षेत्र में ज्यादा कार्रवाई करती है।

दस दिन में 600 सौ से ज्यादा लोगों के खिलाफ कार्वाई

लड़कियों ने मिन्नतें की, पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने दबाव

पुलिस ने रविवार को जो कार्रवाई की है, उनमें नशे की हालत में लड़कियां कार में सवार मिलीं। बावजूद इसके पुलिस ने किसी तरह की छूट देने के बजाय जिन कार में लड़कियां सवार थीं, उन कार पर भी कार्रवाई की। पुलिस कार्रवाई से बचने कई लड़कियां अपने साथ आए ब्वाय फ्रेंड के साथ लोक-लाज का हवाला देते हुए कार्रवाई नहीं करने मिन्नतें की। तीन नशे की हालत में लग्जरी कार चला रहे जिन चार से पांच रईसजादों को पुलिस ने पकड़ा है, उन लोगों ने अपने रसूख का हवाला देकर पुलिस पर किसी तरह से कार्रवाई नहीं करने का दबाव बनाने की कोशिश की। बावजूद इसके पुलिस ने उन रईसजादों के दबाव के आगे झुकने के बजाय कार्रवाई करते हुए उनकी गाड़ी जब्त की।

गैस की कीमतों में वृद्धि का कांग्रेस ने किया विरोध

रायपुर। गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने घड़ी चौक पर विरोध में पेट्रोलियम विभाग के रीजनल आफिस के सामने प्रदर्शन किया। केन्द्र शासन के इस आदेश के विरोध में मोदी का पुतला दहन किया गया। वहीं रीजनल मैनेजर से केन्द्र की भाजपा सरकार से गैस सिलेंडर के मूल्य वृद्धि के आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेत्रियों ने चूल्हे पर खाना बनाकर प्रतीकात्मक विरोध भी दर्ज कराया। उनका कहना था कि गैस सिलेंडर के दाम इतने बढ़ गए हैं कि आम महिलाओं को फिर से चूल्हे पर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार आपदा में अवसर खोज ही लेती हैं। कीमतों में वृद्धि कर के महंगाई के बोझ के तले आदमी के मुँह से निवाला छीनने का काम कर रही हैं। रायपुर जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा कर भाजपा सरकार में आई हैं। वह आज 1080 रुपए में गैस सिलेंडर बेच रही हैं। ऐसी जन विरोधी सरकार को देश की जनता सबक सिखायेगी।

**छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)**

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित "रायपुर जिले के विकासखण्ड तिल्दा की खौलीडबरी जलाशय के आर.डी. 278 मीटर, 718 मीटर एवं 1335 मीटर पर बांध पर जीर्णोद्धार, हेड स्लूस का पुर्ननिर्माण कार्य" की ऑनलाईन सिस्टम निविदा क्रमांक 181827 / निविदा सूचना क्रमांक 09/वलेलि/2025–26, रायपुर दिनांक 16.12.2025 द्वारा प्रथम आमंत्रण किया गया था। उक्त निविदा में मुख्य अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ) कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, अटल नगर, नवा रायपुर के पृ.क्र.4263985/ निविदा प्रकोष्ठ /2025 /4187 (TC) नवा रायपुर, दिनांक 26.02.2026 के कार्यवाही विवरण में प्रथम आमंत्रण में केवल एक ही निविदाकार को योग्य पाये जाने के कारण प्रतिस्पर्धा का अभाव एवं एकल निविदा की स्थिति निर्मित होने से पुन: निविदा आमंत्रण की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया हैं, जिसके फलस्वरूप निविदा निरस्त किया जाता है।

विज्ञापन क्र. 252605545 दिनांक 17.12.2025

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन सम्भाग, रायपुर (छ.ग.)
कृते, मुख्य अभियंता,
महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी. 252607083/4

केवल आशंका और अनुमान के आधार पर न्यायपालिका के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं चल सकती-हाईकोर्ट

पूर्व चीफ जस्टिस, एक वर्तमान हाइकोर्ट जस्टिस और राज्य की उच्च न्यायिक सेवा के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर आपराधिक शिकायत रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाइकोर्ट ने एक अहम फैसले में पूर्व चीफ जस्टिस, एक वर्तमान हाइकोर्ट जस्टिस और राज्य की उच्च न्यायिक सेवा के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर आपराधिक शिकायत रद्द कर दी है। अदालत ने कहा है कि केवल आशंका और अनुमान के आधार पर न्यायपालिका के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही नहीं चल सकती। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्त गुरु की खंडपीठ ने कहा कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल किसी को परेशान करने, डराने या व्यक्तिगत अथवा सेवा संबंधी शिकायतों को आपराधिक मुकदमे का रूप देने के लिए नहीं किया जा सकता। मामला वर्ष 2015 की एक घटना से जुड़ा है, जिसमें एक टोल प्लाजा पर शिकायतकर्ता के पति के साथ कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया। उस समय शिकायतकर्ता के पति सुकमा में मुख्य न्यायिक

मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत थे। इस घटना को लेकर एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उस एफआईआर में पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल नहीं किया, क्योंकि इसमें पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों, तत्कालीन चीफ जस्टिस और एक वर्तमान हाइकोर्ट जस्टिस की कथित साजिश शामिल थी।

साजिश से जुड़ा कोई ठोस तथ्य या साक्ष्य नहीं

हाइकोर्ट ने शिकायत की जांच करते हुए पाया कि इसमें साजिश से जुड़ा कोई ठोस तथ्य या साक्ष्य नहीं है। अदालत ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी के तहत साजिश सिद्ध करने के लिए यह दिखाना जरूरी होता है कि दो या अधिक व्यक्तियों के बीच किसी अवैध कार्य को करने के लिए स्पष्ट सहमति या योजना बनी थी। खंडपीठ ने कहा कि शिकायत में ऐसे किसी भी ठोस तथ्य का उल्लेख नहीं है। शिकायतकर्ता ने स्वयं यह कहा कि आरोप पत्र दाखिल नहीं होने के पीछे साजिश होने की आशंका है लेकिन इसके समर्थन में कोई ठोस सामग्री नहीं दी गई।

गरीब-बच्चों से स्कूल में सीमेंट-रेत ढुलाई, पुताई करवाई, मांगा जवाब

सूरजपुर जिले में मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल पर शिक्षा का अधिकार के तहत पढ़ने वाले बच्चों से निर्माण कार्य और पुताई कराई गई। जिसे लेकर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने शिक्षा सचिव से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा है। मामले में सुनवाई 11 मार्च को होगी। सूरजपुर जिले के तिलसिवां में मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के परिजनों ने प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रिंसिपल ने आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों से स्कूल में निर्माण कार्य और पुताई कराई। परिजनों ने शिकायत की थी कि, आरटीई के तहत पढ़ने वाले छात्रों से स्कूल में सीमेंट, रेत और अन्य सामान से निर्माण का काम कराया जा रहा है। बच्चों से कक्षाओं की पुताई भी करवाई गई। स्टूडेंट्स और परिजनों का कहना है कि जो छात्र काम करने से मना करते हैं, उन्हें टीसी काटने की धमकी दी जाती है। हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले को संज्ञान में लिया और जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की है।

इंटर स्टेट बस टर्मिनल से अज्ञात चोर बस चोरी कर ले गया

रायपुर। टिकरापारा थाना में एक ट्रांसपोर्टर ने अज्ञात चोर के खिलाफ इंटर स्टेट बस टर्मिनल में पार्क बस को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बस ट्रांसपोर्टर पेशे से मंत्रालय में वाहन चालक के पद पर कार्य करता है। अज्ञात चोर ट्रांसपोर्टर की बस को पिछले सप्ताह शुक्रवार को चोरी कर ले गया। अपने स्तर पर पतासाजी करने पर बस के नहीं मिलने पर ट्रांसपोर्टर थाने में बस चोरी की शिकायत दर्ज कराने पहुंचा।अब्दुल सलीम ने बस चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है। अब्दुल ने पुलिस को बताया है कि बस सीजी 07 ई 0782 कलवंत कौर के नाम पर पंजीकृत है, जिसे सरिता मिश्रा ने खरीदा है, नाम ट्रांसफर नहीं हुआ है। उस बस का संचालन एवं देख रेख सलीम करता है। अब्दुल सलीम ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को बस का चालक शाम साढ़े सात बजे बस को इंटर स्टेट बस टर्मिनल में बस पार्क कर, चाबी ड्राइवर सीट के नीचे रख कर सोने के लिए अपने घर चला गया।

कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सक्ती (छत्तीसगढ़)

ऑनलाइन निविदा सूचना

जिला सक्ती अंतर्गत जिला स्तरीय जल परीक्षण प्रयोगशाला भवन, खण्ड कार्यालय भवन एवं उपखण्ड कार्यालय भवन निर्माण एवं संबंधित समस्त कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। विवरण निम्नानुसार है :–

1.1 निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि :– 13/03/2026 समय सुबह 10:30 बजे से
1.2 निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 20/03/2026 सायं 5:30 बजे तक
1.3 भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 27/03/2026 सायं 5:50 बजे तक
1.4 निविदा खोलने की तिथि/समय :– 27/03/2026 सायं 5:31 बजे से

क्रं.	कार्य का नाम	निविदा सिस्टम क्रमांक	निविदा की संभावित राशि (अनु. लागत) रू. लाख में	अमानत राशि (रू. मे)
1	जिला सक्ती अंतर्गत जिला स्तरीय जल परीक्षण प्रयोगशाला भवन निर्माण एवं संबंधीत समस्त काय	184897	35.05	26500.00
2	जिला सक्ती अंतर्गत खण्ड कार्यालय भवन निर्माण एवं सबंधित समस्त कार्य	184898	79.49	59600.00
3	जिला सक्ती अंतर्गत उपखण्ड कार्यालय भवन निर्माण एवं सबंधित समस्त कार्य	184899	38.39	28800,00

अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी एवं भरी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
खण्ड सक्ती (छ.ग.)

जी. 252607093/1

प्ररूप-एक (नियम -11 देखिये)

रा.प्र.क्र. 202403053700001

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, कोरबा

अधिसूचना

क्र./2348/भू–अर्जन/2026 कोरबा, दिनांक 17.02.2026

भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियतम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात :–

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
कोरबा	पाली	भादा	0.508 हे.	भादा व्यपवर्तन योजना के दायी तट नहर निर्माण

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 09/04/2026 को समय 11:00 बजे से स्थान ग्राम. पंचा–भादा पर नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :–

01.लोक प्रयोजन का संक्षित विवरण :–भादा व्यपवर्तन योजना के दांयी तट नहर निर्माण
02. प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :–08 परिवार
03. अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :–08 परिवार
04. प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :–निरंक
05. प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :– निरंक
06. क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है? :–हॉ
07. क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है?–हॉ
08. परियोजना की कुल लागत :–रूपये 1040.19 लाख
09. परियोजना से होने वाले लाभ–परियोजना से 162 हे. खरीफ, 32 हे. रबी फसल कुल 194 हे. क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य प्रस्तावित है।
10. प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :– प्रस्तावित सामाजिक समाधात की प्रतिपूर्ति के लिये संभावित उपाय किये जा रहे है तथा उस पर होने वाले संभावित व्यय का प्रावधान किया गया है।
11. परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :–निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं
भू-अर्जन अधिकारी अनुविभाग पाली,
जिला कोरबा (छ.ग.)

(कुणाल दुदावत)
कलेक्टर- जिला कोरबा एवं पदेन
उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व
एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-252607090/1

डीएनए जांच नहीं होने से हत्या साबित नहीं तीन आरोपियों को किया बरी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने हत्या के एक चर्चित मामले में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए साक्ष्यों के अभाव में तीन आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा है कि बरामद कंकाल का डीएनए परीक्षण नहीं होने से यह साबित ही नहीं हो पाया कि वह मृतक का ही था। ऐसे में हत्या का अपराध संदेह से परे सिद्ध नहीं हो सका। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया है। यह अपील सत्र न्यायालय पेंड्रा रोड द्वारा वर्ष 2015 में दिए गए दोषसिद्धि के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। 2 जून 2013 को मरवाही थाना क्षेत्र के ग्राम धुम्माटोला में कमता प्रसाद पाठक उर्फ गन्नू की हत्या कर दी गई थी। आरोप था कि भवानी सिंह, जय सिंह और सुखसेन गोंड ने मिलकर हत्या की और शव को मिट्टी-पत्थर से ढंककर छिपा दिया। बाद में 31 जुलाई 2013 को मृतक की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। जांच के दौरान आरोपियों के कथित मेमोरेंडम के आधार पर 11 अगस्त 2013 को केहरा नाला बांध से कंकाल बरामद किया गया।

जब्ती गवाह भी मुकर गए- पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने रिपोर्ट में बताया कि कंकाल से मौत का कारण पता नहीं चल सका। एफएसएल रिपोर्ट में भी केवल इतना कहा गया कि हड्डियां मानव की हैं, लेकिन मृत्यु का कारण और समय निर्धारित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी पाया कि आरोपियों के पास से कथित तौर पर बरामद लाठी और कुल्हाड़ी को अपराध से जोडने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है। मेमोरेंडम और जब्ती के गवाह भी अदालत में अपने बयान से मुकर गए थे। साथ ही बरामद हथियारों की रासायनिक जांच भी नहीं कराई गई थी कि उन पर मानव रक्त के निशान थे या नहीं। **डीएनए जांच भी नहीं कराई गई**- रिपोर्ट में यह भी उल्लेख था कि हड्डियों को डीएनए प्रोफाइलिंग और डायटम टेस्ट के लिए सुरक्षित रखा गया है लेकिन अभियोजन ने बाद में न तो डीएनए जांच कराई और न ही डायटम टेस्ट कराया। हाईकोर्ट ने कहा कि जब अभियोजन का दावा है कि कंकाल आरोपियों की निशानदेही पर बरामद हुआ, तब यह साबित करना आवश्यक था कि वह मृतक का ही कंकाल है। डीएनए जांच के अभाव में यह महत्वपूर्ण कड़ी साबित नहीं हो सकी।

राशिफल

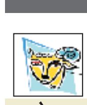

मेष भाग–दौड़ अधिक रहेगी। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष आय में वृद्धि होगी, परन्तु स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में सुधार हो सकता है। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों के सुखद परिणाम मिल सकते हैं।

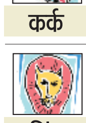

सिंह व्यवधान आ सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निराशा एवं असन्तोष के भाव मन में रहेंगे। किसी सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

तुला भागदौड़ अधिक रहेगी। आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। पारिवारिक जीवन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में व्यर्थ की भागदौड़ हो सकती है।

वृश्चिक नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। आय भी बढ़ेगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु भाइयों का साथ मिलेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मकर किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, लेकिन आलस्य की अधिकता हो सकती है।

कुंभ मित्रों का सहयोग मिलेगा। मन में निराशा के भाव आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं।

शब्द पहेली - 6160

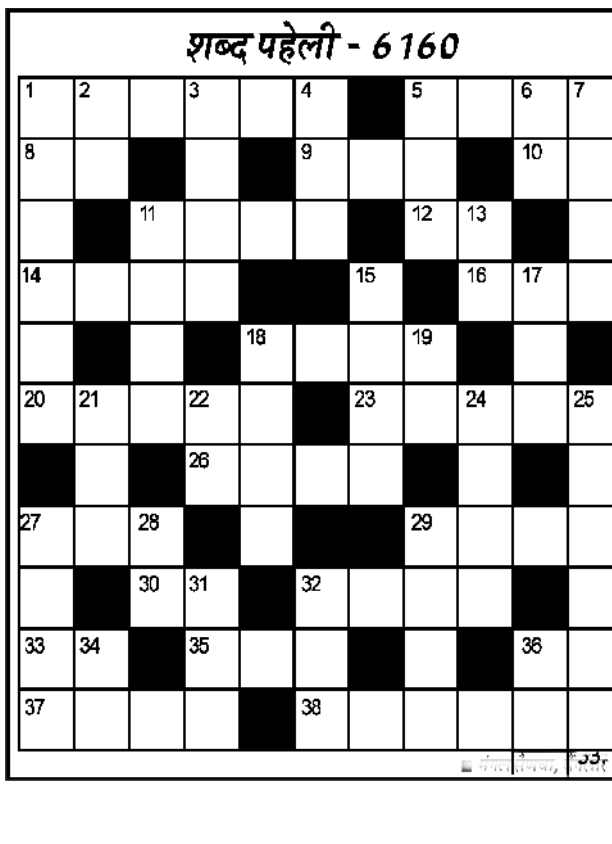

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो–6
5.अनुक्षेपक,अंश –4
8.साथ–2
9.छोटी तलवार–3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार –2
11.दुश्मनी–4
12.इस जगह–2
14.अनवरत–4
16.लाचार,बेबस–3
18.धुलाई करना–4
20.न्यूनता,निम्नता–5
23.समुद्री यात्री–5
26.पूंजी,संपत्ति–4
27.असंयमी,स्वच्छंद–3
29.वन में रहनेवाला–4
30.उम्मीद,आशा–2
32.सौंठ,एक कंद–4
33.जोर,बल–2
35.बसंतकाल–3
36.जोश,उग्रता–2
37.पाताल–4
38.सभ्य,होनहार–3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो–6
2.सांप,सर्प–2
3.दानेदार–4
4.जिगर,कलेजा–3
5.प्रेम,प्यार–3
6.पंख,पराया–2
7.मरियल, निर्बल–4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू–4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना–2
15.सुस्त,उनींदा–4
17.पदक–3
18.विश्वासघात–4
19.बहुमूल्य पत्थर–2
21.रानी,शहजादी–3
22.फलों का जूस–2
24.कुतरने वाला–4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी–2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित–4
28.पिता की बहन–2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत–4
31.बलवान–3
32.प्रार्थना–3
34.तिल,मस्सा–2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड–2

शब्द पहेली- 6159 का हल

सूडोकु नवताल - 6170

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6169 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

बाजार में उल्टा असर, ईरान-इजराइल युद्ध के बावजूद सोने में गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आमतौर पर जियो-पॉलिटिकल टेंशन जब बढ़ते हैं तो सोने-चांदी की कीमतें भी आसमान छूती हैं, लेकिन इस बार उलटा असर हो रहा है। ईरान-इजरायल-अमेरिका में युद्ध के बावजूद सोमवार को ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। आमतौर पर, ऐसे हालात में निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने-चांदी की ओर रुख करते हैं, लेकिन इस बार बाजार में उलटा रुख देखने को मिला है। कॉमेक्स पर सोने की कीमत करीब 1.3 प्रतिशत फिसलकर 5,090 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई।

ग्लोबल बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज

तेजी के बाद मुनाफावसूली का दौर

रॉयटर्स के मुताबिक कीमती धातुओं में गिरावट की एक बड़ी वजह निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली किया जाना है। पिछले कुछ महीनों में सोने ने शानदार तेजी दिखाई थी, जिसके बाद निवेशक अब अपने मुनाफे को भुनाने में लगे हैं। इसके पीछे एक और वजह यह है कि शेयर बाजार में जारी गिरावट के चलते निवेशक अपने पोर्टफोलियो में हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए सोने के हिस्से को बेचकर नकदी जुटा रहे हैं। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख जोसेफ थॉमस के मुताबिक, फिलहाल सोने की कीमतों पर मध्य पूर्व की स्थिति का सबसे अधिक असर देखा जा रहा है।

बढ़ते तेल के दाम ने बढ़ाई चिंता

जहां एक ओर सोने की कीमतें लुढ़क रही हैं, वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों ने नए रिकॉर्ड बना लिए हैं। ब्रेंट क्रूड का भाव 27 प्रतिशत से अधिक उछलकर 120 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया, जो महामारी के बाद से सबसे बड़ी एक दिवसीय छलांग है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 115 डॉलर के करीब पहुंच गया। तेल की कीमतों में यह उछाल होर्मुज स्ट्रेट से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते आया है।

डॉलर मजबूत, कीमती धातुएं कमजोर

कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव का एक और बड़ा कारण अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और बॉन्ड यील्ड (ब्याज दरों) में बढ़ोतरी है। बाजार में अनिश्चितता के दौर में निवेशक नकदी के लिए डॉलर का रुख कर रहे हैं। वहीं, बढ़ती महंगाई के कारण अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड भी ऊपर गई है।

युद्ध का बाजार पर उल्टा असर

विश्लेषकों का कहना है कि सोने की कीमतों में यह उतार-चढ़ाव किसी बुनियादी बदलाव की वजह से नहीं, बल्कि युद्ध के चलते पैदा हुई शार्ट टर्म वोलेटिलिटी के कारण हो रहा है। जोसेफ थॉमस का कहना है कि एक बार भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बाद, अमेरिकी ब्याज दरों और डॉलर की दिशा जैसे पारंपरिक कारक ही सोने-चांदी की कीमतों को तय करेंगे। फिलहाल, निवेशक सुरक्षित निवेश और बाजार की तरलता की जरूरत के बीच उलझे हुए।

खबर संक्षेप

डाइकिन उत्पादों के दाम 12 प्रतिशत बढ़ाएगी

नई दिल्ली। एयर-कंडीशनर बनाने वाली कंपनी डाइकिन इंडिया अप्रैल से कीमतों में 12 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने वाली है, क्योंकि कच्चे माल की लागत और आपूर्ति श्रृंखला का खर्च बढ़ गया है। डाइकिन इंडिया ने एक बयान में कहा, अप्रैल 2026 से, डाइकिन इंडिया कच्चे माल की लागत और आपूर्ति श्रृंखला के खर्च में लगातार बढ़ोतरी को कम करने के लिए अपनी सभी उत्पाद श्रृंखला में कीमतों में 7-12 प्रतिशत की वृद्धि करेगी।

रेमंड रियल्टी का आवास परियोजना के लिए करार

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी रेमंड रियल्टी लिमिटेड ने मुंबई में एक नई आवास परियोजना विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना से करीब 3,000 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने मुंबई के कांदिवली के एक प्रमुख स्थान में एक प्रतिष्ठित आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं।

एआरसीआईएल ने काकरला को किया सीईओ नियुक्त

मुंबई। एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (एआरसीआईएल) ने फणींद्रनाथ काकरला को आठ मार्च से अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि काकरला ने पल्लव मोहपात्रा का स्थान लिया है। मोहपात्रा ने सीईओ और एमडी के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ दिया था। एआरसीआईएल के चेयरमैन नारायणन सुब्रमण्यम ने कहा, ''हमें विश्वास है कि वह कंपनी को वृद्धि और मूल्य निर्माण के अगले चरण में ले जाएंगे। यह पिछले वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा परिकल्पित उत्तराधिकार योजना का हिस्सा है।''

जैक्वार का राजस्व 1,700 करोड़ रुपए करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। बाथरूम और लाइटिंग समाधान मुहैया कराने वाले जैक्वार समूह ने अगले तीन वर्षों में लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,700 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी के पोर्टफोलियो में एलईडी, व्यावसायिक, आउटडोर और फसाड लाइटिंग के अलावा बल्ब और ट्यूब लाइट जैसे उपभोक्ता प्रकाश उत्पाद शामिल है।

आईआईएफसीएल का ऋण एक लाख करोड़ पार जाएगा

IIFCL

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) के प्रबंध निदेशक रोहित ऋषि ने कहा कि मजबूत परियोजनाओं के दम पर वित्त वर्ष 2026-27 के अंत से पहले कंपनी द्वारा वितरित ऋण एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाएगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कहा, 31 दिसंबर 2025 तक वितरित किया गया कुल ऋण 80,515 करोड़ रुपये था। हमारी वर्तमान गति और विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं की मजबूत मांग को देखते हुए, हमें उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष के अंत तक ऋण पोर्टफोलियो एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाएगा।/"

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री राइट ने भारत से किया अनुरोध

भारत बाजार में उपलब्ध रूसी तेल खरीद कर अपनी रिफाइनरियों में भेजे : अमेरिका

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिका ने भारत से अनुरोध किया है कि वह समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद रूसी कच्चे तेल को खरीदकर उसे भारतीय रिफाइनरियों की ओर मोड़ दे, ताकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आपूर्ति में संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को कम किया जा सके। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि यह कदम बाजार को स्थिर रखने के लिए एक अल्पकालिक और व्यावहारिक प्रयास है। इसके साथ ही राइट ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मतलब रूसी तेल को लेकर अमेरिका की नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है।

संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को रोका जा सके

समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद कच्चे तेल को भारत की ओर मोडे

कच्चे तेल के कार्गो भारत खरीद सके

राइट ने रविवार को 'सीएनएन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ मिलकर भारतीय अधिकारियों से बात की थी ताकि चीनी रिफाइनरियों में उतारे जाने की प्रतीक्षा कर रहे रूसी कच्चे तेल के कार्गो को भारत खरीद सके।

बहुत सा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाना है

राइट ने कहा, /"भारत इस मामले में एक अच्छा सहयोगी रहा है। मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारतीय अधिकारियों से फोन पर बात की और कहा कि अभी बहुत सारा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाना है। ऊर्जा मंत्री ने कहा, /"वहां तेल को उतारने के लिए छह सप्ताह तक इंतजार कराने के बजाय, इसे पहले ही भारत खरीदकर अपनी रिफाइनरियों में भेजे ताकि तेल की कमी की आशंका, कीमतों में अचानक बढ़ोतरी और बाजार में व्याप्त चिंताओं को कम किया जा सके।/"

अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया

इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि रूस के प्रति अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और /"भारत इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है।/" जब उनसे पूछा गया कि क्या रूसी तेल खरीद के लिए भारत को दी गई 30 दिनों की छूट से ट्रंप प्रशासन का रूस को अलग-थलग करने का लक्ष्य कमजोर होता है, उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं है। यह केवल एक व्यावहारिक कदम है और इसका असर केवल अल्पकालिक है। रूस के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ।''

30 दिनों की रूस से तेल खरीदी की मिली छूट

वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले हफ्ते दी गई छूट के तहत भारत 30 दिनों तक रूस से कच्चा तेल खरीद सकता है। इसके पहले ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने पर भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। लेकिन पिछले महीने अंतरिम व्यापार समझौते पर बनी सहमति के तहत इस शुल्क को हटाने की बात कही गई थी।

अमेरिकी राजदूत ने भी किया समर्थन

राइट ने यह भी कहा कि भारत ने रूसी तेल आयात को पूरी तरह बंद कर दिया है और अमेरिका, वेनेजुएला और अन्य देशों से अपने आयात बढ़ा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि यह एक अस्थायी और व्यावहारिक उपाय है।

रुपया 53 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.35 प्रति डॉलर पर

कच्चे तेल में उछाल से डॉलर हुआ मजबूत रुपया अब तक के अपने सबसे निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर के मजबूत होने से सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 53 पैसे टूटकर 92.35 प्रति डॉलर (अस्थायी) के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के बीच विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से रुपये पर खासा दबाव देखा गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.22 पर खुला और थोड़ी देर के लिए मजबूत होकर 92.15 तक पहुंच गया। लेकिन बाद में लगातार गिरावट के बीच यह अंत में 92.35 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 53 पैसे की कमजोरी है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 18 पैसे गिरकर 91.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, /"कमजोर वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आए तेज उछाल के कारण रुपया शुरुआत में ही काफी कमजोर खुला और 92.35 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर तक खिसक गया। एशियाई कारोबार के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत तेजी देखी गई। डॉलर में मजबूती और विदेशी निवेशकों की निकासी से भी रुपये पर दबाव पड़ा।/"

डॉलर सूचकांक में 0.35 प्रतिशत बढ़कर 99.33 पर

इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत वायदा कारोबार में 15.18 प्रतिशत बढ़कर 106.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के कारण तेल की कीमतों में तेजी आई है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 प्रतिशत बढ़कर 99.33 पर पहुंच गया।

मिडिल ईस्ट में गहराता संकट बढ़ा सकता है जोखिम

नैसकॉम ने कहा, आईटी कंपनियां सतर्कता और साइबर सुरक्षा बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग के प्रमुख संगठन नैसकॉम ने सोमवार को प्रौद्योगिकी कंपनियों को पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट को देखते हुए अपनी परिचालन तैयारियों और साइबर सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की सलाह दी है।

नैसकॉम ने आगाह किया है कि अनिश्चितता के इस माहौल में कामकाज में बाधा आने और साइबर खतरों का जोखिम काफी बढ़ सकता है। अपनी सदस्य कंपनियों के लिए जारी एक नए परामर्श में नैसकॉम ने कहा कि हालांकि वर्तमान में व्यावसायिक परिचालन स्थिर है, लेकिन कंपनियां अपनी आकस्मिक योजनाओं की सक्रिय रूप से समीक्षा कर रही हैं।

झटकों को झेलने या उनसे उबरने की अपनी क्षमता को और मजबूत कर रही हैं, ताकि /"समय के साथ स्थिति बदलने पर/" होने वाले किसी भी संभावित व्यवधान को कम किया जा सके। यह परामर्श ऐसे समय में आया है जब ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष गहरा गया है। इसके जवाब में हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने हवाई क्षेत्र को प्रभावित किया है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता, साइबर खतरों और वैश्विक प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे, यात्रा मार्गों व समुद्री व्यापार पर इसके संभावित असर को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। नैसकॉम ने सोमवार को जारी बयान में कहा, ''पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर नैसकॉम ने सदस्य कंपनियों के लिए एक और परामर्श जारी किया है।

क्लाउड व डेटा केंद्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर करे विचार

परामर्श में कंपनियों को यह सुझाव भी दिया गया है कि वे अपनी सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने और महत्वपूर्ण डेटा व सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'क्लाउड ढांचे' और 'डेटा केंद्रों' के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करें।

सरकार ने 6,309 करोड़ रुपए के बांड वापस खरीदे

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आयोजित अदला-बदली नीलामी के तहत 6,309 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक) वापस खरीद ली हैं और उनके बदले 6,431.79 करोड़ रुपये के नए बॉन्ड जारी किए हैं।

सरकारी प्रतिभूति कम जोखिम वाले ऋण साधन होते हैं जिन्हें सरकार जारी करती है। सरकारी गारंटी वाली इन प्रतिभूतियों पर निश्चित प्रतिफल मिलता है।

सरकार ने अदला-बदली नीलामी के तहत बांड वापस खरीदे

सरकार की तरफ से दोबारा खरीदी गई प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाले निर्धारित बॉन्ड का हिस्सा थीं।

इनमें 1,684 करोड़ रुपये मूल्य के 7.33 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 1,035 करोड़ रुपये मूल्य के 5.74 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 590 करोड़ रुपये मूल्य के 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड और 3,000 करोड़ रुपये के 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 बॉन्ड शामिल हैं।

सरकार लंबी अवधि के बांड जारी करती है

इस नीलामी के तहत सरकार निकट अवधि में परिपक्व होने वाले बॉन्ड की जगह लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करती है। इससे अगले वित्त वर्ष में होने वाले पुनर्भुगतान दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 5.47 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं।

बैंकिंग प्रणाली में आए 50,000 करोड़ रुपए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये डाले। आरबीआई ने बयान में कहा कि उसने 13,507 करोड़ रुपये मूल्य के 6.33 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूति (जीएस) 2035 बॉन्ड, 13,494 करोड़ रुपये मूल्य के 6.01 प्रतिशत जीएस 2030 बॉन्ड, 8,157 करोड़ रुपये मूल्य के 6.10 प्रतिशत जीएस 2031 बॉन्ड, 6,955 करोड़ रुपये मूल्य के 7.30 प्रतिशत जीएस 2053 बॉन्ड खरीदे। इनके अलावा 4,479 करोड़ रुपये मूल्य के 7.18 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 2,304 करोड़ रुपये मूल्य के 6.92 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड और 1,104 करोड़ रुपये के 6.19 प्रतिशत जीएस 2034 बॉन्ड खरीदे गए हैं। वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में तरलता अधिशेष (जरूरत से अधिक नकदी) करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

- आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की

ईरान संकट से अर्थव्यवस्था के लिए नए जोखिम हो सकते हैं पैदा

अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतियां बढ़ने की आशंका : फिच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी फिच ने सोमवार को कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तेल-गैस आयात, प्रवासी समुदाय की तरफ से भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा और विनिमय दर जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

फिच रेटिंग्स ने 'ईरान संघर्ष से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए उपजे नए ऋण जोखिम' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यदि खाड़ी क्षेत्र से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में अपेक्षा से अधिक व्यवधान आता है तो वैश्विक निवेशकों की धारणा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

अमेरिकी डॉलर हो रहा मजबूत

रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी स्थिति में अमेरिकी डॉलर मजबूत हो सकता है और खासकर उच्च जोखिम वाले उधारकर्ताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कर्ज जारी करना मुश्किल हो सकता है। फिच ने कहा, /"ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई पर भी दबाव बढ़ेगा और इससे दुनिया भर में मौद्रिक नीति के फैसलों पर असर पड़ सकता है।/"

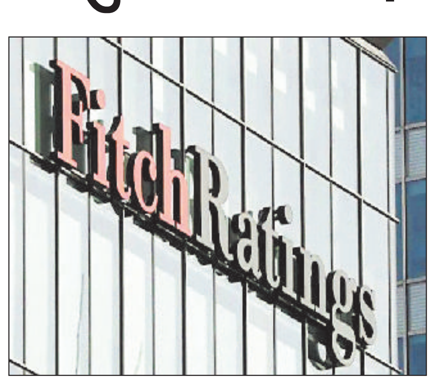

तेल और गैस आयात पर असर

रिपोर्ट के मुताबिक, तेल और गैस आयात पर इस संघर्ष का सबसे सीधा असर देखने को मिलेगा। इसकी वजह यह है कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुद्ध जीवाश्म ईंधन आयात सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तीन प्रतिशत या उससे अधिक के बराबर है।

आयात की लागत बढ़ सकती है

हालांकि लंबे समय तक यह व्यवधान कायम रहने की स्थिति में असर ज्यादा गंभीर हो सकता है। आयात की लागत बढ़ने से पाकिस्तान जैसे उन देशों पर दबाव अधिक होगा जिनकी वित्तीय क्षमता पहले से कमजोर है या जिनका चालू खाता घाटा अधिक है।

सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है

रिपोर्ट कहती है कि ऊर्जा कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने से उन सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकते हैं, जो उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ईंधन पर सब्सिडी देती हैं या कीमतों में बढ़ोतरी के जवाब में ऐसी योजनाएं शुरू करती हैं।

तेल उत्पादन ढांचे को नुकसान हो सकता है : रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल एवं गैस का परिवहन एक महीने से कम समय तक बंद रहता है और क्षेत्र के तेल उत्पादन ढांचे को बड़ा नुकसान नहीं होता है तो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की साख पर जोखिम सीमित रह सकता है।

भारत उपभोक्ता प्रौद्योगिकी का वैश्विक मंच बनने तैयार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्मार्टफोन विनिर्माता कंपनी 'नथिंग' के सह-संस्थापक और भारतीय इकाई के प्रमुख अकिस इवांगेलिडिस ने कहा है कि बढ़ते विनिर्माण आधार और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के दम पर भारत उपभोक्ता प्रौद्योगिकी के अगले वैश्विक मंच के रूप में मजबूती से उभर रहा है।

उपभोक्ता प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 'यूनिकॉर्न' (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली कंपनी) और लंदन मुख्यालय वाली इस कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु में देश के अपने पहले 'फ्लैगशिप स्टोर' का उद्घाटन किया है। कंपनी का कहना है कि वह भारत में अत्यधिक तीव्र वृद्धि की राह पर अग्रसर है।

इवांगेलिडिस ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा, ''यह यात्रा काफी चुनौतीपूर्ण रही है, लेकिन साथ ही बेहद फायदेमंद और रोमांचक भी रही है। भारत एक रणनीतिक बाजार है और हमारे उद्योग में वैश्विक स्तर पर भारत से काफी कुछ हो रहा है। हम निश्चित रूप से आने वाले समय में भारत को इसमें सबसे आगे देख रहे हैं।''

- स्मार्टफोन कंपनी नथिंग के सह-संस्थापक अकिस का मानना

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है। सरकारी प्रोत्साहनों के तहत स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में विस्तार के कारण वैश्विक ब्रांड अब तेजी से भारत में अपने उपकरणों का उत्पादन कर रहे हैं।

इवांगेलिडिस ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने खुद को एक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए जो ठोस कार्य किया है और अब जिस तरह से आपूर्ति श्रृंखला तथा इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेज़र हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

प्रथम पृष्ठ का शेष

कच्चे तेल में 'आग'...

एक खारे पानी को पीने लायक बनाने के संयंत्र पर हमला करने का आरोप लगाया है। वहीं, बहरीन की राष्ट्रीय तेल कंपनी ने अपने रिफाइनरी परिसर में आग लगने के बाद खेपों के लदान के लिए 'अपरिहार्य परिस्थिति' घोषित कर दी है। इसका अर्थ यह है कि युद्ध के कारण पैदा हुई असाधारण परिस्थितियों की वजह से कंपनी अब तेल की आपूर्ति से जुड़े अपने पिछले समझौतों को पूरा करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। इधर, इजराइल द्वारा रात भर किए गए हमलों के बाद तेहरान में तेल डिपो से धुआं उठते देखा गया। युद्ध के दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही फारस की खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति पर संकट गहरा गया है। कीमतों में आई ताजा नरमी का कारण उन खबरों को माना जा रहा है जिनमें कहा गया है कि जी-7 देश रणनीतिक तेल भंडार से आपूर्ति जारी करने पर विचार कर रहे हैं।

ईरान के नए सुप्रीमो...

विचारों वाला माना जा रहा है। वह युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। उन्हें उनके पिता की मौत से भी पहले से उनका उत्तराधिकारी माना जा रहा था। अयातुल्ला पर हुए हमले में ही मुजतबा की पत्नी जेहरा हद्दाद आदेल की भी मौत हो गई थी। ईरान के राजनीतिक जानकारों ने वंशानुगत तरीके से मुजतबा को सर्वोच्च नेता चुने जाने की आलोचना की है। **तेहरान, इस्फहान को बनाया निशाना** -इजरायल ने एक बार फिर ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इजरायली सेना के मुताबिक राजधानी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी इलाकों में ईरानी शासन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक किए जा रहे हैं।

भाई को बचाने...

गई। बताया जा रहा है कि रविवार को स्कूल की छुट्टी होने के कारण दोनों बच्चे अपनी मां कौशल्या दास के साथ खेत में महुआ बीनने गए थे। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तक मां और दोनों बच्चे खेत में महुआ बीन रहे थे। इसके बाद तीनों पास ही स्थित पेडार तालाब में नहाने के लिए चले गए। नहाने के दौरान कौशल्या दास कपड़े धोकर उन्हें सुखाने के लिए तालाब के किनारे चली गई। इसी दौरान 8 वर्षीय छोटा बेटा तालाब की गहराई में चला गया और अचानक डूबने लगा। अपने छोटे भाई को डूबता देख 11 वर्षीय बड़ी बहन ने बिना देर किए उसे बचाने के लिए तालाब में छलांग लगा दी। लेकिन तालाब में दलदल और अधिक गहराई होने के कारण वह भी पानी में फंस गई और दोनों भाई-बहन डूबने लगे। जब मां कपड़े सुखाकर वापस लौटी तो उसने देखा कि दोनों बच्चे पानी में डूब रहे हैं। यह दृश्य देखकर वह बदहवास हो गई और तुरंत उन्हें बचाने के लिए तालाब में कूद पड़ी। उसने बच्चों को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन तालाब में दलदल और फिसलन होने के कारण वह सफल नहीं हो सकी। **ग्रामीणों ने निकाला शव**- कौशल्या दास ने आसपास महुआ बीन रहे ग्रामीणों को आवाज लगाई। आवाज सुनकर ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और झगर डालकर काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों के शव को तालाब से बाहर निकाला गया।

छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी,...

लगातार दूसरी बार चुनी गई हैं। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव में नाम वापसी के बाद दोनों उम्मीदवार निर्विरोध चुनी गईं। इसके बाद आज उन्होंने विधानसभा पहुंचकर आधिकारिक तौर पर अपना निर्वाचन प्रमाणपत्र प्राप्त किया। दोनों सांसदों ने इस अवसर पर पार्टी नेतृत्व और प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा, वे राज्य और जनता के हितों को राज्यसभा में मजबूती से उठाने का काम करेंगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि जब राज्यसभा चुनाव के लिए पहली बार दोनों पार्टियों ने महिला को उम्मीदवार बनाया। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की पांच सीटें आती हैं। फिलहाल पांच से अब तीन सांसद महिला होंगी।

अफीम की खेती...

स्थगन प्रस्ताव पेश किया। विपक्ष का तर्क है कि यह राज्य की सुरक्षा और संस्कृति से जुड़ा एक गंभीर विषय है। उन्होंने सीधे तौर पर सरकार पर आरोप लगाया कि वह दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, प्रदेश में धान के बजाय अफीम की खेती को बढ़ावा देना चिंताजनक है। राजधानी से 50 किलोमीटर की दूरी पर विनायक ताम्रकार नाम का व्यक्ति अपनी निजी भूमि पर अफीम की खेती करने में लगा हुआ है। पूरा छत्तीसगढ़ सूखे नशे से बर्बाद हो रहा है और जिस ट्रैक से दूसरे तरफ किसानों के धान की खरीदी नहीं की जा रही ऐसे में हमे यह लगता है कि शायद आप लोग यही चाहते है कि पूरे छत्तीसगढ़ में अफीम की खेती हो छत्तीसगढ़ जो धान का कटोरा है उसे आप लोग अफीम का कटोरा बनाना चाहते है। इसमें पूरे शासन के लोग शामिल है यह सामूहिक संरक्षण में किया जा रहा है।

एफआईआर में...

ताम्रकार के खेत में अफीम की खेती हो रही है, पर एफआईआर में नौकर को मुख्य आरोपी बताया गया है। जो मुख्य आरोपी है, उसका नाम तीसरे नंबर पर है। इसे सबका संरक्षण है, इसलिए दूसरी बात इसमें रकबा नहीं है। कुल मिलाकर लीपा पोती करने की कोशिश की जा रही है। एफआईआर आखिर इतना लाचार क्यों बनाया गया है। इसे ग्राह्य कर इसमें चर्चा कराएं। पहले तो पंजाब जैसे जगहों से केवल नशे के पदार्थ का आना जाना चलता था, पर अब तो अफीम की यानी नशे की खेती हो रही है। उन्होंने कहा, एफआईआर लचर तरीके से बनाई गई, मुख्य आरोपी को बचाने के प्रयास किए गए और घटना होली से ठीक पहले हुई।

भाजपा नेता के भाई...

अब उसके अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीम ने सोमवार को क्षेत्र का निरीक्षण किया। पता चला कि विनायक ताम्रकार का भाई बृजेश वर्ष 1992 से लेकर अब तक पहनं 7 स्थित खसरा नंबर 778 रकबा 0.13 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किए हुए है। इस सरकारी जमीन पर सीमेंट पोल की फैक्ट्री संचालित की जा रही है। इसे लेकर पहले भी न्यायालय तहसीलदार दुर्ग ने 22 अक्टूबर 2013 में शासकीय घास जमीन पर कब्जा हटाने का आदेश जारी किया था। मगर बृजेश ताम्रकर ने जगह से कब्जा नहीं हटाया। प्रशासन उक्त सरकारी जमीन को मंगलवार को बुलडोजर चलाएगा। इसके लिए बकायदा जेवरा सिरसा पुलिस चौकी, राजस्व निरीक्षक दुर्ग 1, सरपंच ग्राम पंचायत समोदा को पत्र जारी किया है। उक्त सरकारी जमीन की कीमत 3.80 करोड़ आंकी गई है। वर्ष 2010 में समोदा की तत्कालीन सरपंच अन्नू ने सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले को नोटिस जारी कर खाली करने का आदेश दिया था। लेकिन सरकारी जमीन को खाली नहीं किया गया। अब प्रशासन हरकत में आया है।

जांच अवधि बढ़ने...

पर सीआरपीसी की धारा 167(2) (अब बीएनएसएस की धारा 187(2)) के तहत डिफॉल्ट बेल के अधिकार का दावा नहीं कर सकता। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने रमेश मंडावी द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए यह निर्णय दिया। अपील में विशेष न्यायाधीश (एनआईए एक्ट), उत्तर बस्तर, कांकेर के उन आदेशों को चुनौती दी गई थी, जिनके माध्यम से जांच की अवधि बढ़ाई गई थी और बाद में डिफॉल्ट बेल की अर्जी खारिज कर दी गई थी। याचिका के मुताबिक अपीलकर्ता रमेश मंडावी, जो कांकेर जिले की ग्राम पंचायत अर्रा का पूर्व सरपंच रह चुका हैं, को 16 जुलाई, 2025 को थाना अंतागढ़ में एफआईआर दर्ज होने पर गिरफ्तार किया गया था।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
एक बार उपयोग कर देखें
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-महेन्द्र जेम्स एन ज्वेलर्स में हाउस कीपिंग एवं किचन स्टाफ की आवश्यकता है। पुरुष/ महिला आवेदन करें। उचित वेतन उपलब्ध। सम्पर्क करें- 91713 25702 (40146)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु समझदार फीमेल कैंडिडेट्स की आवश्यकता है। इंटरव्यू टाइमिंग सुबह 11 से शाम 4 बजे तक। वेतन योग्यता अनुसार फ्रेशर एवं अनुभवी दोनों सम्पर्क करें- 95842 57226 (40143)

आवश्यकता है-मंगला चौक के पास स्थित MI गेस्ट हाउस में रिसेप्शन और रूम सर्विस हेतु कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8871781100, 62325 35709 (40147)

आवश्यकता है-कार ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-आकाश इंटरप्राइजेज व्यापार विहार, बिलासपुर 9993235631 (40148)

आवश्यकता है-बिजली दुकान में सामान निकालने, जमाने हेतु दो कर्मचारियों की आवश्यकता है। वेतन 9000 से 15000 तक योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- नटराज इलेक्ट्रानिक स्टेट बैंक के पास नया सरकंडा, बिलासपुर 9098195247 (40155)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए हॉफ टाइम तथा फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (40156)

आवश्यकता है-यूटीएन शॉप में मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। मासिक वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें- शॉप नं-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 79995 94790 (40157)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड की तत्काल भर्ती बिलासपुर में पुराना बस स्टैण्ड, सरकंडा, कोनी, CMD चौक, सिरगिट्टी, तिफरा हेतु। वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 9589316942, 99933 36942 (40145)

आवश्यकता है-होटल में चाइनीज कुक, इंडियन कुक एवं वेटर (सप्लायर) युवक, युवतियां अनुभवी/ फ्रेशर दोनों को प्राथमिकता एवं चाइनीज कुक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9340229293, 98274 67841 (40120)

Required-Married Female Accountant with minimum 3 years experience. Knowledge of Tally & MS Office preferred. Good communication and accounting skills required. Office- Madhyanagri chowk Bilaspur. Contact 9009052052 (40152)

आवश्यकता है-मेडिकल स्टोर में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्कता है। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सांई मेडिकल स्टोर दुकान नं.-4, सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक बिलासपुर 9589480555 (40144)

आवश्यकता है-टैली एवं माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल में काम करने के लिए अनुभवी एवं ग्रेजुएट युवकों की आवश्यकता है। टैली में कार्य का पूर्व अनुभव अनिवार्य है। उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए अपने बायोडाटा के साथ आना है। सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9009658882 पता- जाजोदिया टाइल्स, होटल ग्रैंड अम्बा के सामने, पुराना बस स्टैण्ड के पास, बिलासपुर (40149)

आवश्यकता है-जूता चप्पल की दुकान में कार्य करने के लिए लड़की और लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राजपाल ट्रेडर्स बिलासपुर 9685029222 (40150)

आवश्यकता है-लॉण्ड्री शॉप में वाशरमैन, आयरन मैन, स्टोर मैनेजर एवं CCTV कैमरा लगाने हेतु अनुभवी युवक चाहिए सम्पर्क करें- शाप नं.-14, सत्या आटोमोबाइल के बाजू मे, सिटी सेन्टर बिलासपुर 9752760266, 96693 00033 (40151)

आवश्यकता है-Data Analyst/ Entry ऑपरेटर 2पद एवं पर्सनल ड्राइवर- 2पद (01 वर्ष का अनुभवी) जो सभी गाड़ी चला सके आटोमेटिक वाल्वो फार्च्यूनर, इत्यादि। सम्पर्क करें- शिवांगी ऑइल्स, सिरगिट्टी, बिलासपुर 82248 25555 (40154)

आवश्यकता है-जॉब जॉब जॉब थ्रीव्हीलर ऑटोमोबाइल क्षेत्र के अनुभवी को प्राथमिकता लोकेश ऑटो तिफरा ऋषि गैस के सामने अधिकृत विक्रेता अतुल ऑटो लिमिटेड में सेल्स एक्जीक्यूटिव (4पद) डीजल मैकेनिक (3पद) स्पेयर पार्ट इंचार्ज (2पद) ऑफिस बॉय (2पद) ऑटो ड्राइवर (2पद) बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 7000828211, 9827155032 (40098)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752-337082 (40136)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सरस्वती एजेन्सीज 53, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 9827177772 (40138)

आवश्यकता है-डेंटल क्लीनिक में फूल टाइम/ पार्ट टाइम काम करने हेतु लड़कियों की आवयश्कता है। सम्पर्क करें-शांति डेंटल केयर दयालबंद गुरुद्वारा के पास, मेन रोड, बिलासपुर 8109518000 (40134)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- भारत गिफ्ट हाऊस, नियर भारत बैग के सामने, तेलीपारा मेन रोड बिलासपुर 9926819318 (40135)

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट हेतु तन्दूर रोटी कारीगर मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन अनिवार्य) वेटर, हेल्पर, लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है (खाना रहना फ्री) सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 78791 21999 (40137)

आवश्यकता है-स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करें-भाटिया इंटरप्राइजेज नेहरू चौक पेट्रोल पम्प के बाजू में बिलासपुर 7587259295 (3182)

आवश्यकता है-रायपुर पंप पर सेल्स बाय/ गर्ल्स नाइट एवं डे ड्यूटी हेतु एक गार्ड और हाउस कीपिंग के लिए आदमी की आवश्यकता है। एक्सेल अनुभवी बैक ऑफिस व्यक्ति एवं रिटायर्ड व्यक्ति भी सम्पर्क कर सकते है- 9425522234 (रहने, खाने की सुविधा उपलब्ध) (827)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़को की आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई नियुक्ति शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 9165407080, 91658 20635 (501)

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य करने का सुनहरा अवसर टेली कॉलिंग हेतु लड़की 4पद, मार्केटिंग हेतु लड़के 5पद चाहिए। सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन राजकिशोर नगर मोपका चौक पास बिलासपुर 7987236607, 081091 19184 (40115)

आवश्यकता है-साइट पर आने जाने के लिए अनुभवी लाईसेन्सधारी ड्राइवर की एवं साथ ही सामान उठाने और स्टोर संभालने के लिए स्टोर कीपर/ हेल्पर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 6263116161 (40142)

आवश्यकता है-दुकान कार्य हेतु लड़के एवं लॉज में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने की सुविधा। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- विनय ऑटो अथवा किरण लॉज गांधी चौक बिलासपुर (40133)

आवश्यकता है-बिलासपुर में गर्ल्स हॉस्टल में 24 घंटे ड्यूटी के लिए महिला वार्डन एवं शासकीय अर्धशासकीय कार्यों हेतु लड़के (कार चला सके) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7974533781 (40125)

आवश्यकता है-होटल में हेल्पर एवं साफ सफाई कार्य करने के लिए 4 लोगों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल द एनी नेहरू नगर बिलासपुर 7067310092, 88156 64344 (40089)

आवश्यकता है-सलवार सूट, लहंगा, ब्लाउज, गाउन सिलाई हेतु अनुभवी महिला, पुरुष टेलर चाहिए। वेतन 25000 से 30000 (प्रोफेशनल सिलाई, कटिंग की ट्रेनिंग उपलब्ध) पता- परफेक्ट बुटीक, मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 73894 44785 (40087)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9329292940 (40118)

आवश्यकता है-इच्छुक वर्कर्स की आवश्यकता है ऑफिस मे काम करने के लिए वेतन योग्यता अनुसार आकर्षक कमिशन संपर्क करें - अग्रसेन चौक बिलासपुर 8953541999 (1340)

आवश्यकता है-रायपुर स्थित घर की देखरेख करने 24 घंटे रहने योग्य महिला/ युवती की आवश्यकता है। रहना खाना फ्री+वेतन सम्पर्क करें- 9993707000 (826)

आवश्यकता है
मौसाजी रेस्टोरेन्ट, मंगला चौक बिलासपुर हेतु निम्न स्टाफ की आवश्यकता है
स्टीवर्ट-2 पद
साउथ इंडियन शेफ-2पद
कॉन्टिनेंटल शेफ-1पद
कम्प्यूटर ऑपरेटर-2पद
काउन्टर सेल्समैन-2पद
अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी, वेतन योग्यता अनुसार
-: सम्पर्क करें :-
मो.- 9827421944
स्थान-मंगला, बिलासपुर (छ.ग.)

आवश्यकता है-कपड़े दुकान में काम करने हेतु रिसेप्शनिस्ट, हेल्पर, पैंट्री पद हेतु योग्य युवक/ युवती की। वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- वसंत साड़ी सेंटर, सदर बाजार, बिलासपुर 7987065573, 8305284014 (40139)

आवश्यकता है-पर्सनल सिक्योरिटी के लिए अनुभवी बाउन्सर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8827821974, 7879858767 (40107)

आवश्यकता है-कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़का एवं ईंटा प्लांट प्लाई एश ब्रिस मे सुपरवाइजर (मुंशी) हेतु परिवार वाले की आवश्यकता है रहने की सुविधा। सम्पर्क- 98271 80096, 7354949644, 9827199008 (40110)

आवश्यकता है-श्याम इंटरप्राइजेस में पैकिंग एवं अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (समय 10am से 7pm) सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज सरकंडा बिलासपुर 9074741377 (40129)

आवश्यकता है-बिलासपुर स्थित थ्रीव्हीलर शोरूम में कार्य हेतु सेल्स एग्जीक्यूटिव- 5पद, स्पेयर पाट्र्स इंचार्ज- 1पद, अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- शारदा बजाज, ICICI बैंक के सामने व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 90390 90181 (40102)

आवश्यकता है-पार्लर में काम करने हेतु अनुभवी लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें-Velvet Mirror Salon ऊषा लता कॉम्प्लेक्स अपोलो फार्मेसी के बगल से किम्स हॉस्पीटल के सामने बिलासपुर 9179034243 (40091)

आवश्यकता है-(1) ड्राइवर (8वीं/ 10वीं) (आफिस, घरेलू कार्य भी करे) बिलासपुर निवासी को प्राथमिकता (2) महिला, पुरुष चपरासी (8वीं) पता- BBVM English Medium School कस्तूरबा नगर, गोदड़ीधाम रोड बिलासपुर 9300654801, 9755854925 (40112)

आवश्यकता है-किताब दुकान में पार्ट टाइम दोपहर 3 से रात 9बजे तक एवं फुल टाइम काम करने हेतु लड़ाकों की। सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो दयालबंद गुरुद्वारा के पास बिलासपुर 9893378899 (40101)

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित कंस्ट्रक्शन कम्पनी में चाय पानी साफ सफाई के लिए युवक एवं युवती की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बिलासपुर 90391 90256 (40099)

आवश्यकता है-(1) दो पद सिविल सुपरवाईजर (2) एक पद सिविल इंजिनियर (बीई/ डिप्लोमा) नोट- केवल अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- मेसर्स अरोरा कंस्ट्रक्शन व्यापार विहार, बिलासपुर 9425219484, 98279 02347 (40088)

आवश्यकता है-डेन्टल क्लीनिक में कार्य करने हेतु स्टाफ की जरूरत है एवं आई तुलजा भवानी चौक, कुदुदण्ड बिलासपुर स्थित डेंटल क्लीनिक के ऊपर घर किराए से देना है सम्पर्क करें- 74898 31153 (40090)

आवश्यकता है-Ordeal कम्पनी को तत्काल 45 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 10500 से 22000 रहना फ्री परमानेन्ट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओवर ब्रिज के पास बिलासपुर 80034 02269, 6393559091 (40123)

आवश्यकता है-चायपत्ती के पेंकिग कार्य लड़की व महिला और पुरुष लडको की जरूरत है सम्पर्क करें- जैन ट्रेडर्न नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह 7469980000, 07714075490 (1339)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु दो वर्ष अनुभवी टेली एकाउंटेंट एवं गोडाउन इंचार्ज की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज चन्द्रा पार्क के सामने, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 79879 72716 (40092)

आवश्यकता है-शहर के विभिन्न संस्थानों में दिन एवं रात ड्यूटी हेतु गार्ड एवं आफिस स्टाफ लड़का, लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 93006 72005, 9827192131 (1489)

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती महिला केयर टेकर 10 (खाना बनाना आना चाहिए), ड्राइवर 10, गार्ड 50, हाउस कीपिंग 10 की आवश्यकता है बिलासपुर शहर के लिये सम्पर्क करें- 8889823100 (40096)

आवश्यकता है- खाना बनाने हेतु लड़की/ महिला की। समय 8:30am to 4pm एवं 5pm to 8:30pm क्षेत्र नर्मदा नगर मंगला चौक के पास, वेतन फोन पर चर्चा होगी तुरन्त सम्पर्क करें- 9827166239 (40094)

बेचना है

बेचना है-बिलासपुर के प्राइम लोकेशन 27खोली, इंद्रसेन नगर, रॉयल ऑर्किड के पास 40×60 (2400 वर्गफुट) प्लॉट बेचना है। 25 फीट रोड, अच्छी लोकेशन, रहने एवं निवेश हेतु बेहतरीन सम्पर्क करें-8960265888 (40158)

बेचना है-सकरी परसदा हाउसिंग बोर्ड के पीछे, सृष्टि संस्कृति कॉलोनी के पास 2BHK, 3BHK नवनिर्मित मकान एवं प्लॉट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 7869493130 (40127)

बेचना है-मोपका से चिल्हाटी जाने के मार्ग से 200 फिट अन्दर 40×60 का प्लॉट 2400 वर्गफिट डायवर्टेड प्लॉट 900 रुपए फिट में बेचना है सम्पर्क करें- 8602493624, 96914 62088 (40130)

बेचना है-डायवर्टेड प्लॉट बेचना है 30×58 (लगभग 1744 वर्गफुट) बेलतरा चौक, मटियारी, सीपत रोड (मेन रोड में) तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 9340582883 94255 45552 (40116)

बेचना है- कोरबा- उरगा मुख्य मार्ग से लगा हुआ बरबसपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक एलआईजी (मध्य तल) का फ्लैट बेचना है सम्पर्क करें- 9425283727, 94241 65378 (40124)

बेचना है-बिलासपुर प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक भाटिया पेट्रोल पम्प के सामने, रोड से 100 मीटर दूर, डबल रोड का 2BHK मकान बेचना है (प्लॉट साइज 22×45) सम्पर्क करें- 6265041277, 8361997770 (40128)

बेचना है-सकरी में टाउन एण्ड कंट्री अप्रूव्ड कॉलोनी में मात्र 1290/- वर्गफुट और नेशनल हाईवे बिल्हा में पूर्ण विकसित डायवर्टेड प्लांट मात्र 1190/- वर्गफुट में, 80% बैंक फाइनेन्स सम्पर्क- 7987374690, 9770468361 (40126)

बेचना है-40×75= 3000 फुट पश्चिम मुखी जैन हॉस्टल गली विनोबा नगर 4500/- फुट, (2) 19 फ्रंट 504 फुट मेन रोड व्यापार विहार में डबल स्टोरी दुकान बर्गरकिंग के सामने सम्पर्क- 9827938236 (40114)

बेचना है-खमतराई में 1.64, सेन्दरी (कोनी) में 7.32, कच्छार में 24 एकड़, घुटकू में 11.79, निरतु में 1.14 एवं पौसरा (नगोई) बिलासपुर में 5.44 जमीन बेचना है। सम्पर्क करें- 9406441535, 93008 78897 (40111)

बेचना है-रामा लाइफ कॉलोनी सकरी बिलासपुर में स्थित 40×80= 3200 वर्गफुट का डायवर्टेड प्लॉट तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 96309 90940 (40104)

बेचना है-नया मकान कीमत 90लाख, निर्माण ग्राउंड फ्लोर 2200 वर्गफीट प्रथम फ्लोर 1000 वर्गफीट प्लाट साइट 50×50 स्वतंत्र बोरिंग हंसिका विहार कालोनी उसलापुर सम्पर्क करें- 9039032178, 9893913366 (दलाल सम्पर्क ना करें) (40132)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-मैट्स विश्व विद्यालय, मुक्त दूरवर्ती शिक्षा, शासकीय सेवामान्य, प्रवेश प्रारम्भ DCA, PGDCA, BCA, MCA, BA, BSc, BCom, MA, MSc, MCom, BBA, MBA, MSW, BLib, MLib अन्तिम तिथि 15 मार्च, सम्पर्क- राजेन्द्र नगर चौक बिलासपुर 8959264581, 95160 36581 (40085)

किराया

किराया- नेहरू नगर हनुमान मन्दिर गांधी गार्डन के सामने एक बड़ा हाल, चार बेडरूम किचन दो लेटबाथ पोर्च सहित सर्वसुविधायुक्त मकान परिवार/ कार्यालय हेतु किराया से देना है सम्पर्क- 79877 85522, 8319926096 (40117)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

फायनेंस

फाईनेन्स-कुबेर फाइनेन्स मुद्रा योजना अन्तर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 15 लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक, प्रॉपर्टी, पर्सनल, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाएं, सम्पर्क- 8882627857 (4363)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

➡ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267

➡ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

➡ शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
➡ श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
➡ रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
➡ जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
➡ रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290,9981658490
➡ भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
➡ श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
➡ एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
➡ श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
➡ अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
➡ विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
➡ माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
➡ बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

दो कदम गौतम आगे आए और दो कदम मैंने उठाए और बीच का रास्ता निकाला: सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

राहुल द्रविड़ के भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा ने बताया था कि कैसे उनकी पत्नी इस दिग्गज को उनकी 'काम के स्थल वाली पत्नी' मानती थी।

जब कोई उनके टी20 उत्तराधिकारी सूर्यकुमार यादव को मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर के बारे में बात करते हुए देखता है तो यह समीकरण उतना ही सहज और आपसी भरोसे तथा सम्मान पर बना हुआ लगता है जितना रोहित और द्रविड़ के बीच था। जब सूर्यकुमार से गंभीर के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने गौतम भाई के साथ चार साल (कोलकाता नाइट राइडर्स में) क्रिकेट खेला है और मुझे पता था कि वह कैसे सोचते हैं। वह दो कदम उठाएंगे, मैं दो कदम उठाऊंगा और हम बीच में कहीं मिलेंगे।' सूर्यकुमार ने कहा कि इन दो वर्षों में दोनों के बीच कभी कोई बहस नहीं हुई और उन्होंने एक आदर्श एकादश तय करने के लिए कभी रातों की नींद नहीं गंवाई।

सूर्यकुमार ने कहा, ' जब से हमने साथ काम करना शुरू किया, जब हम श्रीलंका गए थे, तब से लेकर अब तक मुझे याद नहीं कि कभी किसी खिलाड़ी को लेकर हमारी बहस हुई हो।' कप्तान ने कहा, ' हम बात करते हैं कि हमें किसी खास खिलाड़ी को खिलाना चाहिए या नहीं। हम दोनों हमेशा टीम को जिताने में दिलचस्पी रखते हैं। हम किसी खिलाड़ी को ऐसी स्थिति में कैसे रख सकते हैं, जिससे टीम को फायदा हो सके।'

खिलाड़ी का हौसला बढ़ाना जरूरी

सूर्यकुमार ने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों का जिक्र करते हुए कहा कि मुश्किल दौर का सामना कर रहे खिलाड़ी का हौसला बढ़ाना बहुत जरूरी है और दोनों ने मुश्किल दौर से उबरकर टूर्नामेंट में अहम मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ' जब कोई अच्छा नहीं कर रहा होता तो आप उसके साथ समय बिताने की कोशिश करते हैं। उसे डिनर पर ले जाते हैं, उससे बात करते हैं क्योंकि ये ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सही समय पर आपके लिए कुछ खास करेंगे जैसा अभिषेक ने अभी किया और संजू ने पिछले तीन मैच में किया।' सूर्यकुमार ने कहा, 'अपनी भूमिका निभाना, अपनी जिम्मेदारियों को समझना, सही समय पर मदद करना, जब कोई अच्छा नहीं कर रहा हो तो खिलाड़ी से बात करना। ये मेरे लिए ज्यादा जरूरी है। इसलिए ये सभी चीजें मेरे लिए काफी मायने रखती हैं।'

हमारा लक्ष्य मिलकर कुछ अच्छा हासिल करना

उन्होंने कहा, 'मुझे शुरू से ही पता था कि हमारी एक-दूसरे से क्या उम्मीदें होंगी। कई बार हमने टीम के बारे में एकादश या 15 खिलाड़ियों के बारे में बात की है कि हमें किसे चुनना है और 14 खिलाड़ी हमेशा एक जैसे रहे हैं।' सूर्यकुमार ने कहा,'अगर सफलता की दर इतनी अधिक है तो हमें इस पर अधिक बात करने की जरूरत नहीं है। हमारा लक्ष्य मिलकर कुछ अच्छा हासिल करना था।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए हम किसी भी चयन के फैसले को लेकर सहज थे।

भारत के खिलाफ फाइनल हमेशा चुनौतीपूर्ण : न्यूजीलैंड कप्तान सेंटनर

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर का मानना है कि भारतीय टीम की जबरदस्त शुरुआत के बाद उनकी टीम हमेशा मुश्किल में थी और बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सभी चीजें उनके पक्ष में होने की जरूरत थी। चौथी बार विश्व कप फाइनल में खेल रही न्यूजीलैंड की टीम को 96 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम की सीमित ओवरों के पहले विश्व खिताब की तलाश जारी रही। सेंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि सेमीफाइनल और फाइनल हारना आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन जैसा कि मैंने कुछ दिन पहले कहा था, आप इस स्थिति में आते हैं, आप उन टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रही हैं।' उन्होंने कहा, 'भारत के खिलाफ भारत में फाइनल हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। हम जानते थे कि मैच से पहले हम निश्चित तौर पर कमजोर टीम माने जाएंगे। उन्होंने कहा, 'और फिर जब आप 250 रन का पीछा कर रहे हों तो सब कुछ ठीक होना चाहिए। और पावरप्ले में विकेट खोना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि दिन की कहानी यही थी, दो पावर प्ले। मुझे लगता है कि हमने 40 के आस-पास तीन विकेट गंवा दिए और उन्होंने 90 के आसपास कोई विकेट नहीं गंवाया था।'

खबर संक्षेप

फ्यूचर्स कप : राधामणि साहिल जीते, उधम बाहर

बैंकॉक। भारत की युवा मुक्केबाजी टीम के लिए सोमवार को विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में मिलाजुला दिन रहा जब राधामणि लोंगजाम और साहिल दुहान ने जीत हासिल की लेकिन उधम सिंह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में राधामणि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की अपनी विरोधी को हराया और तीसरे दौर में रैफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) पर जीत दर्ज की। पुरुषों के वर्ग में साहिल (60 किग्रा) ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तुर्कमेनिस्तान के मुक्केबाज को 5-0 के एकमत फैसले से हराकर शानदार जीत हासिल की। उधम सिंह (55 किग्रा) को हालांकि कड़ी टक्कर देने के बावजूद जापान के प्रतिद्वंद्वी खिलाफ कड़े मुकाबले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

जोबर्ग ओपन : शुभंकर संयुक्त 57वें स्थान पर

जोहानिसबर्ग। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा 'जोबर्ग ओपन' के अंतिम दौर में दो ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 57वें स्थान पर रहे। शुभकर ने दो बर्डी के मुकाबले चार बोगी कर बैठे।

उन्होंने इस दौरान तीन बोगी 13वें से 16वें होल के बीच किए।उनका कुल स्कोर एक अंडर पार (66-72-69-72) रहा।जोबर्ग ओपन में अतीत में शुभंकर का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने यहां पांच टूर्नामेंटों में से चार बार कट हासिल किया है और इसी कोर्स पर 2017 में डीपी वर्ल्ड टूर का अपना पहला खिताब जीता था। इंग्लैंड के डैन ब्रैडबरी ने अंतिम दिन शानदार वापसी करते हुए पांच अंडर 65 का कार्ड खेला और कुल 17 अंडर पार (64-70-64-65) के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया।

भारतीय टीम की नजरें ओलंपिक का स्वर्ण जीतने पर

अहमदाबाद। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार के खेलने की पूरी संभावना है। लेकिन इससे पहले लॉस एंजिलिस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने का मौका होगा चूंकि क्रिकेट की 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी हो रही है। भारत की विश्व कप विजेता इस टीम में सिर्फ कप्तान सूर्यकुमार यादव ही 35 साल के हैं लेकिन उनका इरादा 2028 में ये दोनों टूर्नामेंट खेलने का है। सूर्यकुमार ने कहा, ' एक टीम के रूप में हमने जो कुछ हासिल किया है, वह काफी खास है। अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक स्वर्ण और उसी साल टी20 विश्व कप भी है।'

सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप की 5 पारियों में 80.25 की औसत के साथ बनाए 321 रन

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सिर्फ 3 भारतीय बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 की 5 पारियों में 80.25 की औसत के साथ 321 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के लिए सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' के खिताब से नवाजा गया। इसी के साथ सैमसन टी20 वर्ल्ड कप में यह पुरस्कार जीतने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। इस पुरस्कार को जीतने वाले सभी भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली

दिग्गज बल्लेबाज ने टी20 वर्ल्ड कप 2014 और 2016 में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब अपने नाम किया था। वह इकलौते ऐसे भारतीय हैं, जिन्होंने दो बार यह पुरस्कार अपने नाम किया है। कोहली टी20 वर्ल्ड कप 2014 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 106.33 की औसत के साथ 319 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से 10 छक्के और 24 चौके निकले। इसके बाद साल 2016 में भी कोहली ने इस पुरस्कार को अपने नाम किया। विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2016 में कुल 5 मैच खेले, जिसमें 136.50 की औसत के साथ 273 रन बनाए। वह उस संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर रहे थे।

जसप्रीत बुमराह

भारत ने जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। उस संस्करण में बुमराह ने 8 मुकाबले खेलते हुए कुल 29.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान बुमराह ने 124 रन देकर 15 विकेट हासिल किए। हालांकि, अर्शदीप सिंह 17 विकेट लेकर उस संस्करण में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में बुमराह से एक पायदान ऊपर थे, लेकिन डेथ ओवर्स में शानदार प्रदर्शन के साथ बुमराह ने 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब अपने नाम किया।

संजू सैमसन

साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआती दो पारियों में सैमसन 22 रन और 24 रन ही बना सके थे। कुछ दिग्गज प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पर ही सवाल खड़े करने लगे थे, लेकिन इसके बाद सैमसन ने खुद को साबित किया। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध निर्णायक सुपर-8 मैच में 97 रन की नाबाद पारी खेली, जिसने भारत को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। नॉकआउट मैच में सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

ट्रॉफी की पूरी तरह से हकदार भारतीय टीम: सचिन

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा किया। क्रिकेट जगत ने इस तरह से भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी20 विश्व कप खिताबी जीत को सराहा। तेंदुलकर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की और मुंबई में अपने घर के बाहर जश्न की एक झलक साझा की। तेंदुलकर ने लिखा, 'लगातार दो बार विश्व कप जीतना, पहली बार किसी टीम ने टी20 प्रारुप में ऐसा किया है। ट्रॉफी के पूरी तरह से हकदार। हमारी टीम ने क्या शानदार प्रदर्शन किया और क्रिकेट का एक खास ब्रांड दिखा। बहुत बढ़िया, टीम इंडिया। जय हिंद!''

हमारे जबरदस्त क्रिकेट का कोई मुकाबला नहीं: कोहली

पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टीम के जज्बे और दबदबे की तारीफ की। कोहली ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अहमदाबाद में टीम इंडिया की जबरदस्त जीत। पूरे टूर्नामेंट में हमारे खेले गए जबरदस्त क्रिकेट का कोई मुकाबला नहीं था। मुश्किल हालात में लड़ते रहने और एक बार फिर विश्व चैंपियन बनने के लिए लड़कों ने शानदार जज्बा दिखाया।' उन्होंने लिखा,'यह कामयाबी हासिल करने के लिए सभी खिलाड़ियों और प्रबंधन के सभी सदस्यों को बधाई।'

जीत भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है: गांगुली

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि यह जीत हर स्तर पर भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है। गांगुली ने पोस्ट किया, ''टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत को बधाई... बहुत मजबूत टीम... बड़े मुकाबलों में बेहतर हुई... भारतीय क्रिकेट शानदार जगह पर है। महिला चैंपियन, अंडर-19 चैंपियन और अब पुरुष टी20 चैंपियन।''

भारत को हराना मुश्किल था : डेरेन सैमी

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में भारत को हराना मुश्किल था। सुपर आठ में भारत के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई वेस्टइंडीज के मुख्य कोच सैमी ने लिखा, 'जैसा कि मैं पहले दिन से कह रहा था। आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने के लिए आपको भारत को नॉकआउट में हराना होगा। किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया। बीसीसीआई को उनके तीसरे विश्व टी20 खिताब के लिए बधाई।

कोच साहब आपकी मुस्कान बहुत अच्छी: धोनी

महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को सोशल मीडिया पर फिर से सक्रिय कर दिया और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को बताया कि उनके गंभीर चेहरे पर मुस्कान कितनी अच्छी लगती है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पिछला पोस्ट 2024 में किया था।

एएफसी महिला एशियाई कप

चीनी ताइपे के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले के लिए तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारतीय महिला फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियाई कप में मंगलवार को खेले जाने वाले ग्रुप-सी के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उसे हर हाल में जीत दर्ज करना होगा। भारत फिलहाल दो मैचों में शून्य अंक के साथ ग्रुप में चौथे और आखिरी स्थान पर है।

टीम को पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरे मैच में जापान ने उसे 11-0 से हराया था। जापान दो मैचों में छह अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। अब तक खराब प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम के पास क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का मौक बरकरार है। भारतीय टीम को इसके लिए चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा और साथ ही मंगलवार को होने वाले दूसरे मैच में जापान को वियतनाम को हराना होगा। टूर्नामेंट के तीनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें अंतिम आठ में जगह बनाएंगी।

नतीजों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की जरूरत: मुख्य कोच

भारत की मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे ने कहा कि टीम को पिछले दो मैचों के नतीजों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की जरूरत है।उन्होंने कहा, वियतनाम और जापान के खिलाफ दोनों मैच एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ उसे जल्दी से पीछे छोड़ना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी है और इसमें कोई संदेह नहीं है। भारतीय कोच ने कहा, 'हमें इस मैच के महत्व का पूरा एहसास है। हम पिछले मुकाबले को पीछे छोड़ चुके हैं और अब हमारे सामने यह मौका है, जिसे हमें पूरी गंभीरता के साथ लेना होगा।'

हमारे लिए एक बड़ा मौका : शिल्की देवी

भारत की मिडफील्डर शिल्की देवी हेमाम ने भी कहा कि टीम पिछले मैच से सबक सीखा कर अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, 'हमने पिछले मैच से काफी कुछ सीखा है और मुझे लगता है कि चीनी ताइपे के खिलाफ यह मैच हमारे लिए खास होगा। यह हमारे लिए एक बड़ा मौका है और हमें इसका पूरा फायदा उठाना होगा।'' चीनी ताइपे के लिए स्थिति अपेक्षाकृत आसान है। नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए उनके लिए ड्रॉ भी पर्याप्त होगा।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमारा युग होता तो वनडे सीरीज नहीं गंवाते: गंभीर

Uएजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

भारत ने टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनकर अपने दबदबे का सबूत दिया है लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि यह सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया का युग नहीं है क्योंकि उन्होंने एकदिवसीय प्रारुप में श्रृंखलाएं गंवाई हैं। सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अब सिर्फ भारत की एकदिवसीय टीम का ही हिस्सा हैं।

लगातार तीन वर्षों में तीन आईसीसी खिताब (2024 टी20 विश्व कप, 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप) जीतने के बाद भारत के दबदबे की 1999 और 2007 के बीच ऑस्ट्रेलिया के दबदबे (जब टीम ने लगातार तीन एकदिवसीय विश्व कप जीते) से तुलना करना लाजमी था। गंभीर ने इस पर जवाब देते हुए कहा, 'मैं सफेद गेंद के क्रिकेट के बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि सफेद गेंद के क्रिकेट में एकदिवसीय प्रारुप में हमने पिछली तीन में से दो श्रृंखला गंवाई हैं। अगर यह (हमारा) युग होता तो हम दो श्रृंखला नहीं हारते।' उन्होंने नाम नहीं लिए लेकिन यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया (विदेश) और न्यूजीलैंड (स्वदेश) में श्रृंखला गंवाने के दौरान कौन-कौन खेला था। हालांकि गंभीर इस बात से सहमत हैं कि हाल के आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। गंभीर ने कहा, 'मैं इन युग पर विश्वास नहीं करता। आपको हर दिन मैदान उतरना होगा, चाहे आप कोई भी मैच खेल रहे हों। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं तो आप हर मैच जीतना चाहते हैं।'

सिंधू नहीं खेलेंगी स्विस ओपन श्रीकांत-प्रणय संभालेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| बासेल

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एचएस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैंपियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा,' वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा। भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे।

प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे भाम्बरी-गोरान्सन

इंडियन वेल्स। भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भाम्बरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरान्सन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस में डेविड पेल और फैब्रिस मार्टिन की जोड़ी के खिलाफ सीधे सेटों में आसान जीत के साथ अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की की। भारत और स्वीडन की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने एटीपी 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस और नीदरलैंड की जोड़ी की सर्विस को पांच बार तोड़ते हुए 6-1 6-3 से आसान जीत दर्ज की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक 4632/न.पा.नि./ लोनिवि / 25-26 अम्बिकापुर दिनांक 06/03/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जी प्रतिमा स्थापना एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु राशि रूपये 49.28 लाख की (System Tender No. 186727) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है।

विस्तृत निविदा सूचना छ.ग. शासन के ई- प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

पंजीकृत कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्कल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390007
कॉरपोरेट कार्यालय: बैंक टावर्स, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, मुंबई - 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित ऋणधारकों को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (''आईसीआईसीआई बैंक'') से लिए गए सोने के आभूषणों के बदले ली गई सुविधा (''सुविधा'') की बकाया राशि का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। बकाया राशि का भुगतान न कर पाने के कारण हमें 20 मार्च, 2026 को गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की ई-नीलामी आयोजित करनी पड़ रही है। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के खाता बंद करने/ई-नीलामी की तिथि बदलने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाइन आयोजित की जाएगी - https://gold.samil.in दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे के बीच। विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया दी गई वेबसाइट पर लॉग इन करें। मृतक ऋणधारक के मामले में, सभी शर्तें उनके कानूनी वारिसों पर लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: भिलाई	
018657000129	ममता चंद्राकर
शाखा का नाम: कोरबा	
035362003888	मनोज कुमार
शाखा का नाम: अंबिकापुर	
042505002635	महावीर सिंह
शाखा का नाम: जगदलपुर	
108562010888	ज्योति अनिश
108562012985	अंजू ठाकुर
108562012992	नरेन्द्र सिंह ठाकुर
108562013008	जय प्रकाश मिश्रा
108562013010	नरेन्द्र सिंह ठाकुर
108562013017	सुमन कुमार राय
108562013019	चेतमन बघेल
108562013030	सुनील सोढिया
शाखा का नाम: चिरमिरी	
162562002457	सरोज पटेल
162562003091	निहाल मानिकपुरी
शाखा का नाम: दल्ली राजहरा	
197762001260	मन्नू लाल
शाखा का नाम: अकलतरा	
211962003455	जमुना प्रसाद कैवर्त्य
शाखा का नाम: रायपुर-टाटीबंध	
251662000821	जतिन्दर सिंह
शाखा का नाम: बलौदा बाजार	
255162001050	विजय कुमार डहरिया
शाखा का नाम: पाली, छत्तीसगढ़	
280462000989	अनिता
शाखा का नाम: कोण्डागाँव, छत्तीसगढ़	
328162005562	महेन्दर सिंह दिवान

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: बस्तर, छत्तीसगढ़	
360162001803	नूतन कश्यप
360162001834	वीरूराम कश्यप
360162002131	शोभाराम मानिकपुरी
360162002134	दीपक कश्यप
360162002135	रैनू राम बघेल
360162002138	गजेंद्र कुमार ध्रुव
शाखा का नाम: बेमेतरा, छत्तीसगढ़	
372462001425	भागवत कुमार साहू
शाखा का नाम: परसदा	
435262000674	गायत्री कौशिक
शाखा का नाम: रायपुर-लाभांडी	
478157000012	शंकर प्रसाद गोप
शाखा का नाम: बिलासपुर-सरकंडा	
734962000737	पूर्णिमा वर्मा
शाखा का नाम: कोरबा - बालको नगर	
756062000577	जन्नु चंद्रा
शाखा का नाम: बलरामपुर (छत्तीसगढ़)	
782262000157	अंजन कुमार नागवंशी
शाखा का नाम: पिथौरा	
783362000137	संजय कुमार विशाल
शाखा का नाम: नारायणपुर	
783562000196	राकेश कुमार देवांगन
शाखा का नाम: अभनपुर	
785862000174	शर्मिला देवी शुक्ला
शाखा का नाम: सुकमा	
788262000270	कैलाश कुमार साहू
शाखा का नाम: दंतेवाड़ा	
829862000017	संतोष कश्यप
829862000019	अरविंद सिंह यादव

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: चिरमिरी	
162557000136	इकनीत सिंह छाबड़ा
162557000194	इकनीत सिंह छाबड़ा
शाखा का नाम: रायपुर-शंकर नगर	
251557000047	ज्योत्सना नायक
शाखा का नाम: कोरबा	
035362003880	प्रभात दास
शाखा का नाम: जगदलपुर	
108562008408	गंगाधर कश्यप
108562008649	गंगाधर कश्यप
108562012907	इब्बी प्रसाद
शाखा का नाम: चिरमिरी	
162562002749	संजू हरर
शाखा का नाम: दल्ली राजहरा	
197757000033	श्वेता जैन
शाखा का नाम: अकलतरा	
211962003408	गजानंद कश्यप
शाखा का नाम: रायपुर - शंकर नगर	
251557000048	ज्योत्सना नायक
शाखा का नाम: कोंडागांव, छत्तीसगढ़	
328162006092	रत्ना हलदार
328162006095	विकास घोष
शाखा का नाम: बस्तर, छत्तीसगढ़	
360162001814	दीपक लाल
शाखा का नाम: सारंगढ़, छत्तीसगढ़	
371862002889	जयसिंह सिदार
शाखा का नाम: नया रायपुर	
390762000580	राजेश साहू
शाखा का नाम: दुर्ग-पद्मनाभपुर	
437262000655	रिमता ए
शाखा का नाम: कोरबा-बालकोनगर	
756062000660	पूनम यादव

दिनांक: 10.03.2026
स्थान: बस्तर, रायगढ़, रायपुर, कोंडागांव, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, उत्तर बस्तर कांकेर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, बेमेतरा, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, सरगुजा, बालोद, बलौदाबाजार, बलरामपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर, महासमुंद, नारायणपुर, सुकमा

सही/- प्राधिकृत अधिकारी
कृते, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के माहौल से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में लोग उस वक्त सहम गए जब आसमान से सफेद पानी की जगह काली बारिश होने लगी। सड़कों पर खड़ी गाड़ियां और घरों की छतें काली कालिख से भर गईं।

युद्ध के बीच ईरान में ब्लैक रेन का आतंक! आसमान से गिर रहा है जहर

तेहरान। वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि एक गंभीर वायुमंडलीय घटना है। इसे एटमॉस्फेरिक स्कैवेंजिंग कहा जाता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि जब वातावरण में बहुत ज्यादा धुआं, धूल या राख मौजूद होती है तो बारिश के पानी में ये कण मिल जाते हैं। आम तौर पर बारिश का पानी साफ दिखाई देता है, लेकिन जब उसमें कालिख या प्रदूषण मिल जाए तो उसका रंग बदल सकता है। इसी वजह से इसे 'ब्लैक रेन' या आम भाषा में काली बारिश कहा जाता है।

यह है पीछे का डरावना साइंस

कितनी खतरनाक है यह बारिश

ऐसी बारिश केवल देखने में अलग नहीं होती, बल्कि यह सेहत के लिए भी बेहद खतरनाक हो सकती है। तेल और ईंधन के जलने से निकलने वाला धुआं कई तरह के हानिकारक तत्वों से भरा होता है। अगर वही कण बारिश के साथ जमीन पर गिरते हैं तो वे हवा, मिट्टी और पानी को भी प्रभावित कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे सांस से जुड़ी दिक्कतें, आंखों में जलन या त्वचा पर असर पड़ने की आशंका भी रहती है।

क्यों हुई काली बारिश

दरअसल हाल के दिनों में तेहरान के आसपास तेल से जुड़े कुछ ठिकानों पर आग लगने की खबरें सामने आई थीं रिपोर्ट के अनुसार, इन आग से आसमान में बड़ी मात्रा में काला धुआं और कालिख फैल गई। जब मौसम बदला और बादल बने तो यह धुआं और राख हवा में तैरते हुए बादलों तक पहुंच गए। इसके बाद जब बारिश हुई तो पानी की बूंदों के साथ वही कालिख और धुएं के कण जमीन पर गिरने लगे। इसी वजह से कई जगहों पर बारिश का रंग गहरा और काला दिखाई दिया।

इतिहास में ब्लैक रेन का काला साया

यह पहली बार नहीं है जब दुनिया ने काली बारिश देखी है।1945 में जब हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया था, तब भी वहां 'ब्लैक रेन' हुई थी, जो रेडियोएक्टिव थी. हालांकि तेहरान की बारिश विकिरण वाली नहीं है, लेकिन तेल की आग के कारण यह उतनी ही जहरीली मानी जा रही है। यहां अब कई लोगों ने सावधानी के तौर पर बच्चों को बाहर खेलने से रोक दिया है और मास्क पहनकर घर से निकलने लगे हैं। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों को सलाह दी है कि जब तक हवा साफ न हो जाए, तब तक ज्यादा देर तक बाहर रहने से बचें।

रोचक खबरें

बिल्ली को खाना खिलाकर कमा लिए 20 लाख रुपए!

बीजिंग। त्योहारों के दौरान जब लोग अपने घरों से दूर जाते हैं, तो पालतू जानवरों की देखभाल एक बड़ी चिंता बन जाती है। चीन में एक युवक ने इसी जरूरत को अवसर में बदल दिया। स्प्रिंग फेस्टिवल के दौरान बिल्लियों को खाना खिलाने और उनकी देखभाल करने की सेवा देकर उसने करीब 20 लाख रुपए कमा लिए।

20 दिन में 2000 घरों तक पहुंची टीम : रिपोर्ट के अनुसार, शंघाई में रहने वाले 1991 में जन्मे हुआन कोंग पिछले 9 साल से पालतू जानवरों का काम कर रहे हैं। वे घर-घर जाकर बिल्लियों को खाना खिलाने की सेवा देते हैं। इस साल स्प्रिंग फेस्टिवल के दौरान, जब कई परिवार अपने होमटाउन लौट गए थे, तब हुआन और उनकी चार सदस्यीय टीम ने शंघाई में ही रुकने का फैसला किया। त्योहार से पहले और बाद के करीब 20 दिनों में उनकी टीम ने लगभग 2000 घरों में जाकर ऑर्डर पूरे किए. इनमें से करीब 1000 विज़िट स्वयं हुआन ने कीं थीं।

रोज 3 घंटे की नींद, एक दिन में 55 ऑर्डर : त्योहारी सीजन में हुआन रोज सुबह 3 बजे काम शुरू करते हैं और रात 10 या 11 बजे तक व्यस्त रहते हैं। औसतन उन्हें दिन में सिर्फ 3 से 4 घंटे की ही नींद मिल पाती है। सबसे व्यस्त दिन में उन्होंने 55 तक ऑर्डर पूरे किए। हर विज़िट लगभग 10 से 15 मिनट की होती है। इस दौरान वे कूड़े का डिब्बा साफ करते हैं, खाना और पानी भरते हैं, बिल्ली की सेहत जांचते हैं, खिड़कियों और बिजली के उपकरणों की जांच करते हैं और कचरा बाहर निकालते हैं। जरूरत पड़ने पर वे दवा देने या नाखून काटने जैसी अतिरिक्त सेवाएं भी बिना अतिरिक्त शुल्क के प्रदान करते हैं।

11 लाख कमाने वाली लड़की ने की एक करोड़ कमाने वाले दूल्हे की डिमांड

नई दिल्ली। आजकल सोशल मीडिया पर एक अनोखी शादी की कहानी काफी चर्चा में है। एक मैचमेकिंग सर्विस की फाउंडर ने खुलासा किया कि उन्हें एक महिला क्लाइंट को अपनी सर्विस से बैन करना पड़ा, क्योंकि उसकी और उसके परिवार की डिमांड काफी अजीब थी। यह मामला तब सामने आया जब मैचमेकिंग प्लेटफॉर्म की फाउंडर ओएंद्रिला कपूर ने इस पूरी घटना के बारे में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया वीडियो सामने आते ही यह कहानी इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गई

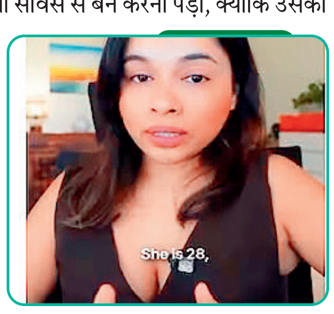

ओएंद्रिला कपूर के अनुसार, उनकी सर्विस में आई 28 साल की एक महिला क्लाइंट सालाना करीब 11 लाख रुपए कमाती थ।. लेकिन, वह और उसका परिवार दूल्हे के लिए ऐसी शर्त रख रहे थे, जो काफी असामान्य थी। परिवार चाहता था कि लड़का उसी जाति का हो, खासतौर पर ब्राह्मण हो और उसकी सालाना कमाई कम से कम 1 करोड़ रुपए हो। शुरुआत में परिवार ने सिर्फ इतना कहा था कि उन्हें अच्छे परिवार का पढ़ा-लिखा लड़का चाहिए। लेकिन, जब मैचमेकिंग टीम ने 25 लाख से 50 लाख रुपए सालाना कमाने वाले लड़कों के प्रोफाइल दिखाए, तो हर बार उन्हें ठुकरा दिया गया। परिवार का जवाब होता था कि उन्हें उस प्रोफाइल से वाइब नहीं आ रही। लगातार मना किए जाने के बाद मैचमेकिंग टीम ने परिवार से पूछा, कि उन्हें किस तरह के प्रोफाइल पसंद हैं। इसके बाद परिवार ने अलग-अलग मैट्रिमोनियल ऐप्स से करीब 15–20 प्रोफाइल भेजे। जब टीम ने इन प्रोफाइल को देखा तो वे चौंक गए। सभी प्रोफाइल में एक चीज कॉमन थी, हर लड़का 1 करोड़ से ज्यादा कमाने वाला था और सभी ब्राह्मण जाति के थे।

अंतरिक्ष

न नल, न बाल्टी... फिर भी कैसे नहाते हैं एस्ट्रोनॉट्स

अंतरिक्ष यात्री ने शेयर किया जीरो ग्रेविटी का मजेदार वीडियो

नई दिल्ली। आईसीसी पर कोई शॉवर नहीं है; एस्ट्रोनॉट्स 'वॉशक्लॉथ' और खास कीटाणुनाशक शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं। तौलिए की नमी को भी स्टेशन का 'वॉटर रिक्लेमेशन सिस्टम' खींच लेता है, ताकि एक बूंद भी बर्बाद न हो। अंतरिक्ष में पेस्ट थूकने की जगह उसे निगलना पड़ता है। भले ही अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 बार सूर्योदय होता है, लेकिन एस्ट्रोनॉट्स जीएमटी के हिसाब से ही अपना दिन बिताते हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इन दिनों अपने अंतरिक्ष अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में बताया कि अंतरिक्ष में रहने वाले एस्ट्रोनॉट्स खुद को साफ और फ्रेश कैसे रखते हैं। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में रोजमर्रा की जिंदगी धरती से काफी अलग होती है। खासतौर पर नहाने और सफाई से जुड़ी चीजें वहां बिल्कुल अलग तरीके से होती हैं।

अंतरिक्ष में नहीं होते शॉवर

शुभांशु शुक्ला ने अपने पोस्ट में बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन में शॉवर नहीं होते। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि अगर किसी को लगता है कि अंतरिक्ष में भी धरती की तरह बाथरूम और शॉवर होते हैं, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में पर्सनल हाइजीन यानी शरीर की सफाई एक तरह का छोटा सा साइंस एक्सपेरिमेंट जैसा होता है। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में नहाने की जगह एस्ट्रोनॉट्स एक खास तरह के वॉशक्लॉथ का इस्तेमाल करते हैं।

वॉशक्लॉथ से होती है सफाई

शुभांशु शुक्ला के मुताबिक जब इस पैकेट में थोड़ा पानी डाला जाता है तो वॉशक्लॉथ पूरी तरह गीला हो जाता है। इसके बाद पैकेट खोलकर उससे शरीर को साफ किया जाता है। इसे एक तरह से स्पंज बाथ कहा जा सकता है। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि यह शायद दुनिया का सबसे महंगा स्पंज बाथ होता है। अंतरिक्ष में पानी का इस्तेमाल बेहद सीमित तरीके से किया जाता है। इसलिए, हर बूंद की बहुत अहमियत होती है। इस वजह से नहाने का यह तरीका ज्यादा आसान और प्रभावी माना जाता है।

पानी की एक-एक बूंद होती है कीमती

शुभांशु शुक्ला ने बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन में पानी बहुत कीमती होता है। जब एस्ट्रोनॉट्स वॉशक्लॉथ से सफाई कर लेते हैं, तो इस्तेमाल किया गया तौलिया एक खास जगह पर रखा जाता है। वहां मौजूद सिस्टम उस तौलिए की नमी को खींचकर पानी को फिर से रीसायकल कर देता है। यानी अंतरिक्ष में पानी की एक भी बूंद बर्बाद नहीं होती। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में पानी को बार-बार साफ करके दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। यह सिस्टम अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने वाले एस्ट्रोनॉट्स के लिए बेहद जरूरी है।

फोन भी तैरने लगता है

शुभांशु शुक्ला ने पहले रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में यह भी दिखाया कि एस्ट्रोनॉट्स वॉशक्लॉथ को कैसे तैयार करते हैं। इस वीडियो में एक मजेदार पल भी देखने को मिला, जब उनका फोन हवा में तैरता हुआ नजर आया। उन्होंने मजाक में कहा कि अंतरिक्ष में मोबाइल होल्डर की जरूरत ही नहीं पड़ती।

300 ग्राम के इस पक्षी ने 13,560 किमी उड़कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

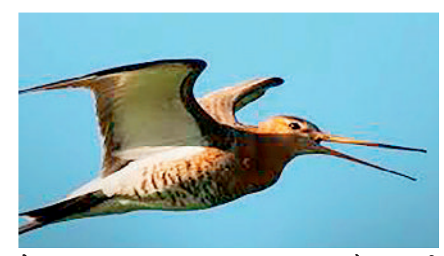

केनबरा। महज 300-400 ग्राम वजन वाले एक पक्षी ने बिना रुके 13,560 किलोमीटर की दूरी तय कर एक नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। इस नन्हे 'एविएटर' ने अलास्का से ऑस्ट्रेलिया तक का सफर लगातार 11 दिनों तक उड़कर पूरा किया, वो भी बिना एक बार भी जमीन पर उतरे। इस पक्षी की क्षमता को देखकर वैज्ञानिक भी दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर हैं। यह चमत्कार बार-टेल्ड गॉडविट नाम के एक नन्हे पक्षी ने किया है। महज 300-400 ग्राम वजन वाले इस पक्षी ने बिना रुके 13,560 किलोमीटर की दूरी तय कर एक नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। इस नन्हे 'एविएटर' ने अलास्का से ऑस्ट्रेलिया तक का सफर लगातार 11 दिनों तक उड़कर पूरा किया, वो भी बिना एक बार भी जमीन पर उतरे.

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने इस पक्षी पर एक छोटा सा सोलर-पावर्ड सैटेलाइट टैग लगाया था, जिससे इसकी पल-पल की जानकारी मिलती रहे। यह पक्षी अलास्का के कुस्कोक्विम डेल्टा से उड़ा और लगातार 11 दिन और 1 घंटे तक प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ता रहा। इस पूरी यात्रा के दौरान वह न कहीं रुका, न उसने कुछ खाया और न ही एक बूंद पानी पिया। समुद्र के ऊपर न तो उतरने की जगह थी और न ही आराम की। अगर वह थककर गिर जाता, तो उसकी जान बचना भी नामुमकिन था।

तालाब में 100 से ज्यादा मगरमच्छ, बिना डरे पानी में जाती हैं महिलाएं

गांधीनगर। दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खतरनाक जगहें हैं, जहां जाने का मतलब मौत को बुलावा देने जैसा है। लेकिन, इसके बावजूद उन जगहों पर खूंखार जानवर और इंसान एक साथ रहते हैं। चाहे वो अमेजन के घने जंगल हों या अफ्रीकन ट्राइब्स, लेकिन क्या आप भारत की ऐसी ही खतरनाक जगह के बारे में जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि गुजरात के आनंद जिले में एक ऐसा ही गांव हैं, जहां पर मगरमच्छ और इंसान एक-दूसरे के साथ बेखौफ नजर आते हैं। जिस तलाब में दर्जनों मगरमच्छ हैं, उसी तलाब में महिलाएं घुस जाती हैं और अपना काम बेखौफ करती हैं। लेकिन. मगरमच्छ उन्हें नुकसान तक नहीं पहुंचाते। ऐसा लगता है मानो मगरमच्छ कोई पालतू जानवर हैं। इस गांव का नाम है मलातज, जिसे 'पिंक विलेज' भी कहा जाता है। यह अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अपने खतरनाक निवासियों के लिए मशहूर है।

मगरमच्छों ने किसी भी इंसान पर हमला नहीं किया

आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस गांव के तालाबों में 60 से 100 के करीब विशालकाय मगरमच्छ रहते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां की महिलाएं तालाब के किनारे बेखौफ होकर कपड़े धोती हैं और बच्चे पास में ही खेलते हैं। गांव वालों का दावा है कि इन मगरमच्छों ने आज तक किसी भी इंसान पर हमला नहीं किया है। इस वजह से वे इन्हें केवल जीव नहीं, बल्कि 'खोड़ियार माता'का वाहन मानकर इन मगरमच्छों की पूजा करते हैं। सिर्फ मलातज ही नहीं, पास के देवा गांव में तो मगरमच्छों की संख्या 100 से भी ज्यादा है। मानसून के दौरान जब तालाब भर जाते हैं, तो ये 10-12 फुट लंबे शिकारी गांवों की सड़कों और कभी-कभी घरों के अंदर तक घुस आते हैं।

देखो मगर प्यार से

यहां के लोगों के लिए मगरमच्छों के बीच रहना बिल्कुल वैसा ही है, जैसे हम अपने पड़ोसियों के साथ रहते हैं। यहां के लोग बताते हैं कि मगरमच्छ बहुत ही धैर्यवान शिकारी होते हैं और घंटों तक धूप सेंकने के लिए अपना मुंह खोलकर जमीन पर पड़े रहते हैं। हालांकि, ये मांसाहारी जीव हैं और पक्षियों या मछलियों का शिकार करते हैं, लेकिन इंसानों के प्रति इनका व्यवहार बहुत शांत रहता है। पेटली गांव में तो तालाब के पास एक बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा है- देखो मगर प्यार से। यह बोर्ड यहां के लोगों और इन खतरनाक जीवों के बीच के अनोखे रिश्ते को बयां करता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह आपसी समझ और सम्मान का नतीजा है कि आज तक यहां कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

बैंक ही नहीं, नोट भी हैं अनोखे स्विट्ज़रलैंड के

बर्न। स्विट्ज़रलैंड के नेशनल बैंक ने 10, 20, 50, 100, 500 और 1,000 फ्रैंक के नए नोटों के डिज़ाइनों को मंज़ूरी दी है। स्विट्ज़रलैंड अपने बैंकों के लिए सारी दुनिया में मशहूर है। खास तौर पर भारत में स्विस बैंकों को काले धन से जोड़कर देखा जाता है और आरोप लगते हैं कि भारत से बहुत सारे लोगों ने काला पैसा स्विस बैंकों में जमा करा दिया है। अक्सर स्विस बैंकों से काले धन की वापसी की मांग उठती रहती है। लेकिन, इन दिनों स्विट्ज़रलैंड के बैंक नहीं, वहां के नोट सुर्खियों में हैं। स्विट्ज़रलैंड में नोटों के डिज़ाइन बदलने जा रहे हैं और 2030 से वहां नए नोट छपने शुरू हो जाएंगे। स्विट्ज़रलैंड की मुद्रा का

नाम फ्रैंक है। स्विस नेशनल बैंक ने वहां नए फ्रैंक नोटों के डिज़ाइन को मंजूरी दे दी है। इसके बाद अगले दशक में 10, 20, 50, 100, 500 और 1,000 फ्रैंक के नए नोट छपकर बाज़ार में आने लगेंगे।

आर्किमिडीज का नियम लगाते ही 30 फीट कुएं से बाहर आ गया हाथी

नई दिल्ली। ओडिशा के जंगलों से आई एक खबर ने साबित कर दिया कि अगर सही समय पर सही ज्ञान का इस्तेमाल किया जाए तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। एक हाथी 30 फीट गहरे कुएं में गिर गया था। इतनी गहराई और हाथी के भारी वजन के कारण उसे क्रेन या रस्सियों के सहारे बाहर निकालना नामुमकिन और खतरनाक था। लेकिन, वन विभाग के अधिकारियों ने हार मानने के बजाय स्कूल में पढ़े गए 'आर्किमिडीज के सिद्धांत आजमाने का फैसला किया। अधिकारियों ने कुएं के पास पंप लगाए और उसमें तेजी से पानी भरना शुरू किया। जैसे-जैसे कुआं भरता गया, पानी के उछाल ने हाथी को ऊपर की तरफ धकेलना शुरू कर दिया।

स्टेप-बाय-स्टेप कैसे हुआ ऑपरेशन?

स्थिति का जायजा: सबसे पहले अधिकारियों ने देखा कि कुआं संकरा है, इसलिए मशीनें अंदर नहीं जा सकती हैं।
पानी का इंतजाम: पास के स्रोतों से भारी मात्रा में पानी लाने के लिए कई पंपों का इस्तेमाल किया गया।
धैर्य और निगरानी: पानी भरते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि हाथी घबराए नहीं। जैसे-जैसे पानी ऊपर आया, हाथी को भी ऊपर आने में मदद मिली।

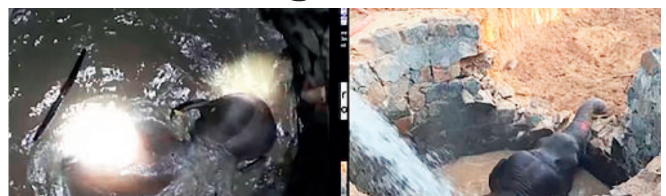

यह तरीका क्यों खास है : इस तरह के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अक्सर जानवरों को चोट लग जाती है या वे बहुत ज्यादा तनाव में आ जाते हैं। लेकिन, इस साइंटिफिक तरीके में हाथी को जरा भी शारीरिक चोट नहीं आई। पानी ने उसे एक सुरक्षित कुशन की तरह ऊपर उठाया। यह टेक्नोलॉजी दिखाती है कि फील्ड पर काम करने वाले अधिकारियों के लिए किताबी ज्ञान कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। साइंस केवल लैब तक सीमित नहीं है।

आर्किमिडीज का सिद्धांत क्या है?

हजारों साल पहले यूनान के वैज्ञानिक आर्किमिडीज ने एक नियम खोजा था। सरल शब्दों में कहें तो, जब भी हम किसी वस्तु को पानी में डालते हैं तो पानी उस वस्तु पर ऊपर की तरफ एक दबाव डालता है। इसे 'उत्प्लावन बल' कहते हैं। आपने गौर किया होगा कि पानी के अंदर कोई भी भारी चीज हमें हल्की लगने लगती है। ऐसा इसी बल की वजह से होता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :